दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 95
मुरादाबाद
25 July 2025
(Friday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मोहन भागवत बोले- नई तकनीकों का समाज और मजदूरों पर क्या असर पड़ेगा, इसका मूल्यांकन जरूरी

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने तकनीक से रोजगार पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, तकनीक को रोका नहीं जा सकता लेकिन उसका सही उपयोग जरूरी है।इसके साथ उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को शोषण से बचाने पर जोर दिया। वहीं बीएमस की 70वीं वर्षगांठ पर उन्होंने कहा- यह एक आंदोलन है, केवल संगठन नहीं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि उभरती हुई तकनीकों का समाज और मजदूर बाजार पर क्या असर होगा, इसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि ये नई तकनीकें रोजगार के अवसरों को नुकसान न पहुंचाएं। वे दिल्ली में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। तकनीक को ठुकराया नहीं जा सकता, लेकिन उसका असर देखना जरूरीतकनीक को ठुकराया नहीं जा सकता% मोहन भागवत ने कहा, %नई तकनीकें आ रही हैंज और जब नई तकनीक आती है, तो कई नए सवाल खड़े होते हैं। क्या इससे बेरोजगारी कम होगी या बढ़ेगी? उन्होंने स्पष्ट रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तकनीक इंसान के स्वभाव को थोड़ा कठोर बना देती है और इससे श्रम के प्रति सम्मान भी कुछ हद तक कम होता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, %तकनीक को ठुकराया नहीं जा सकता। नई तकनीक तो आएगी ही। लेकिन हमें यह देखना होगा कि उसका मजदूरों पर बुरा असर न पड़े। सुख लाने वाली हो तकनीक, समस्या नहीं% मोहन भागवत ने कहा कि तकनीकों का इस्तेमाल ऐसा होना चाहिए जिससे समाज में सुख और संतुलन आए, न कि नई समस्याएं पैदा हों। उन्होंने कहा, इस पर हमें सोचने और काम करने की जरूरत है।असंगठित क्षेत्र को प्राथमिकता देने की मांग मोहन भागवत ने यह भी कहा कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को भी ध्यान में रखना चाहिए ताकि वे अपने नियोक्ताओं से किसी तरह का शोषण न झेलें। उन्होंने कहा, असंगठित क्षेत्र बहुत विशाल है और संगठित क्षेत्र के भीतर भी कई लोग अब भी असंगठित हैंज सभी क्षेत्रों में मज़दूरों को न्याय और सम्मान दिलाने के लिए काम करना होगा।% बीएमएस की यात्रा को बताया प्रेरणादायक मोहन भागवत ने भारतीय मजदूर संघ की 70 साल की यात्रा को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा, जब दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने 1955 में बीएमसी की स्थापना की थी, तब यह बहुत छोटा संगठन था और कई लोग इसका मजाक उड़ाते थे। लेकिन आज यह दुनिया का सबसे बड़ा मजदूर संगठन बन चुका है। उन्होंने कहा कि बीएमएस के कार्यकर्ताओं की मेहनत और सिद्धांतों की वजह से ही आज यह संगठन इस मुकाम पर पहुंचा है। हम धर्म की बात करते हैं, न कि मजहब की मोहन भागवत ने कहा, हम धर्म की बात करते हैं, मजहब की नहीं। धर्म वह है जो समाज को जोड़ता है, ऊपर उठाता है और सबको हर समय सुख देता है। उन्होंने कहा कि बीएमएस का यह 70वां वर्ष सिर्फ उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है- कि संगठन ने कैसे शुरुआत की, क्या हासिल किया और आगे क्या करना है। मजदूर ही देश की तरक्की की रीढ़- मंडाविया कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि हर ट्रेड यूनियन की कार्यशैली उसकी विचारधारा के अनुरूप होती है, लेकिन बीएमएस ने भारतीय जीवनशैली के आधार पर अपनी कार्य संस्कृति बनाई है, जो सरकार के साथ श्रमिकों के मुद्दों पर चर्चा में दिखती है। उन्होंने कहा, देश की सड़कों, पुलों और दूसरी बुनियादी संरचनाओं को बनाने वाले यही मजदूर हैं। यही शक्ति देश की प्रगति और आर्थिक विकास को चला रही है।

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर-लखनऊ हाईवे सिक्सलेन किया जाए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर सांसद अवधेश ने की मांग

अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और जिले में सड़कों का जाल बिछाने की मांग की। उन्होंने ढेमवा पुल की सड़क दोबारा बनाने की मांग की।सांसद अवधेश प्रसाद ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करके जिले में सड़कों का जाल बिछाने के लिए प्रस्ताव दिया है। इसमें गोरखपुर-लखनऊ हाईवे को छह लेन बनाने समेत - अन्य मार्ग शामिल हैं। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को दिए ज्ञापन में मांग किया कि लखनऊ से फैजाबाद होते हुए गोरखपुर तक जाने वाले हाईवे पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए इस मार्ग को सिक्स लेन किया जाना आवश्यक है।इसके अलावा उन्होंने रायबरेली अयोध्या से प्रभात नगर से शाहगंज हैरिंग्टनगंज होते हुए अलीगंज तक, मिल्कीपुर, अमानीगंज से रुदौली होते हुए भेलसर हाईवे तक फोरलेन, मिल्कीपुर पेट्रोल पंप से हैरिंग्टनगंज, खजुरहट, इलाहाबाद-अयोध्या तक फोरलेन, थाना रौनाही से ड्योढ़ी, घोड़वल इमामगंज तक टूलेन, रायबरेली-अयोध्या राजमार्ग से सुचित्तागंज बाजार, नवाबगंज तक फोरलेन बनाने की मांग की गई है। अयोध्या राजमार्ग को फोरलेन सड़क निर्माण कार्य योजना में शामिल करने, सुल्तानपुर-अयोध्या हाईवे से मसौधा शुगर मिल के बगल से जाने वाली सड़क को फोरलेन बनाने की मांग की गई है।

राहुल बोले- हमारे पास पूरे सबूत, EC को छोड़ेंगे नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके पास कर्नाटक की एक सीट पर वोटिंग में धोखाधड़ी के 100त्न सबूत हैं। उन्होंने श्वष्ट को चेतावनी दी कि वह इस मामले में बच नहीं पाएगा। राहुल ने बिहार की मतदाता सूची में संशोधन को भी विपक्ष के वोटरों को हटाने की साजिश बताया और कहा कि यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग (ईसी) पर बड़ा हमला बोला है। गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत पक्के सबूत हैं कि कर्नाटक की एक लोकसभा सीट पर चुनाव आयोग ने धोखाधड़ी को मंजूरी दी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर चुनाव आयोग यह सोच रहा है कि वह बच जाएगा, तो यह उसकी भूल है, हम उसे नहीं छोड़ने वाले।राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्होंने कर्नाटक की केवल एक लोकसभा सीट की जांच की और उसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में 45, 50, 60, 65 साल के नए वोटर जुड़ गए हैं। यह सिर्फ एक सीट की बात है। कई सीटों में वोटर डिलीशन (नाम हटाना), नए वोटर जोड़ना, और अवैध तरीके से जोड़ने का काम चल रहा है। हम इन सबूतों को सामने लाएंगे।चुनाव आयोग पर सख्त हुए राहुल गांधी राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं कि अगर आप यह सोचते हैं कि आप बच जाओगे, तो आप गलत हो। हम आपके पीछे आने वाले हैं। यह लोकतंत्र की हत्या है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। वोटर रिवीजन प्रक्रिया पर भी सवाल- बिहार में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं की चिंताओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बिहार में लाखों वोटर अपने पते पर नहीं मिले हैं और यह प्रक्रिया विपक्ष के वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने में विफल हो रहा है।राहुल बोले- भारत में चुनाव चुराए जा रहे हैं- राहुल गांधी ने बुधवार को भी कहा था कि देश में चुनाव चुराए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस ने इस वोट चोरी का तरीका समझ लिया है और जल्द ही इसका कच्चा-चिट्ठा कागज़ों पर सामने रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और पूरे देश में ऐसा हो रहा है।विपक्ष का संसद में जोरदार विरोध- बिहार की मतदाता सूची में संशोधन को लेकर विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में जोरदार विरोध दर्ज कराया है। विपक्षी दलों का कहना है कि यह कदम बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जानबूझकर उठाया जा रहा है ताकि चुनिंदा वोटरों को सूची से हटाया जा सके। राहुल गांधी के बयानों से इस विरोध को और धार मिल गई है।

भाजपा का अहंकार – भ्रष्टाचार चरम पर, जनता का गुस्सा ही इसका अंत करेगा, गुजरात में गरजे केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2020-21 में किसानों को 16 फीसद, 2021-22 में 17 फीसद, 2022-23 में 16.50 फीसद नफा मिला और 2023-24 में 17 फीसद नफा मिला। लेकिन 2024-24 में किसानों को मात्र 9.50 फीसद मुनाफा मिल रहा है, इस साल 9.50 फीसद मुनाफा क्यों दिया जा रहा है? सारा पैसा कहां गया?गुजरात के किसानों और पशुपालकों के समर्थन मोडास में आयोजित महापंचायत में %आप% के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगंवत मान शामिल हुए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में भाजपा की सत्ता अहंकार-भ्रष्टाचार चरम पर है। जनता का गुस्सा ही इस अहंकारी सत्ता का अंत करेगा। उन्होंने कहा कि अदाणी को ठेका दिलाने पीएम विदेश जाते हैं, लेकिन गुजरात में किसान बोनस मांगता है तो उस पर लाठियां बरसाते हैं। लाठीचार्ज में जान गवांने वाले पशुपालक के परिवार को अभी तक एक रुपये का मुआवजा नहीं मिला। यह सरकार अमीरों की सरकार है। गरीबों और किसानों को तो सिर्फ लाठियों की मार देती है। भाजपा को सत्ता का अहंकार हो गया है। किसान की शहादत से उसकी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।मोडासा में किसानों और पशुपालकों के समर्थन में आयोजित महापंचायत को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिन पहले साबर डेयरी में बहुत दर्दनाक और दुखद घटना हुई। जब पशुपालक अपना हक मांगने के लिए सरकार के पास प्रदर्शन करने पहुंचे तो भ्रष्टाचारी, निर्दयी और क्रूर सरकार ने उन पर लाठीचार्ज कर दिया। आंसू गैस के गोले छोड़े और एक गरीब पशुपालक भाई अशोक चौधरी हमें छोड़ कर चले गए। हर साल जून में पशुपालक किसान भाइयों को बोनस दिया जाता है। किसानों की मांग थी कि उनको उनका जायज हक दिया जाए। इस बार गुजरात सरकार ने जून में 9.5 फीसद मुनाफे की घोषणा की, लेकिन अभी तक एक पैसा नहीं दिया है। जबकि हर साल जून के महीने में किसान पशुपालकों के खाते में पूरा पैसा आ जाता है। गरीब किसानों को बीज, खाद खरीदनी है, बच्चों की फीस देनी है, घर का गुजारा करना है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2020-21 में किसानों को 16 फीसद, 2021-22 में 17 फीसद, 2022-23 में 16.50 फीसद नफा मिला और 2023-24 में 17 फीसद नफा मिला। लेकिन 2024-24 में किसानों को मात्र 9.50 फीसद मुनाफा मिला। पिछले 5 साल से किसानों को 16-18 फीसद मुनाफा मिल रहा है, इस साल 9.50 फीसद मुनाफा क्यों दिया जा रहा है? सारा पैसा कहां गया? अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग लोकतंत्र में रह रहे हैं। जनता चुनती है और सरकार बनती है। अगर पशुपालक किसान भाई अपने हक के लिए प्रदर्शन कर रहे थे तो क्या सरकार को बैठ कर बातचीत नहीं करनी चाहिए थी? बिना बात किए इनको लाठीचार्ज, आंसू के गोले और गोली नहीं चलानी चाहिए थी। 30 साल की सरकार का इनको अहंकार हो गया है। इनको लगता है कि गुजरात की जनता कहां जाएगी? मैं डेयरी और गुजरात सरकार की तरफ से अशोक चौधरी के परिवार को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग करता हूं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस घटना के बाद से ही सरकार किसान भाइयों को दबाने, डराने और कुचलने की साजिश चल रही है। खासकर उत्तरी गुजरात में हर किसान पशुपालक का भी काम करता है। अगर पशुपालकों को उनका पूरा हक मिल जाए, तो हर किसान की गरीबी दूर हो सकती है। किसानों का सहकारी क्षेत्र का मतलब है कि किसान उसको चलाएंगे। लेकिन इसे किसान नहीं चला रहे हैं, बल्कि भाजपा ने पूरे सहकारी क्षेत्र के उपर कब्जा कर लिया है और अब लूटने का काम कर रहे हैं। पशुपालक को फैट के आधार पर पैसा दिया जाता है। फैट मापने वाली मशीन गड़बड़ है। फैट अगर 7.50 फीसद होता है तो मशीन सिर्फ 7 फीसद दिखाती है। ये लोग अरबों रुपए खा जाते हैं, चुनावी रैलियों में खर्च करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 1985 में गुजरात में भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनी। दो साल बाद 1987 में कांग्रेस को बहुत अहंकार हो गया, जितना आज भाजपा को अहंकार है। कांग्रेस की सरकार ने किसानों पर गोली चलाई, 10 किसान मारे गए। इसके बाद से आज तक गुजरात में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी। अब भाजपा की भी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। गुजरात में राहुल गांधी आए थे और कहा था कि एक शादी का घोड़ा होता है, एक रेस का घोड़ा होता है।

सत्ता पक्ष के लोग सदन नहीं चलाना चाहते, प्रियंका गांधी ने सरकार पर लगाए आरोप

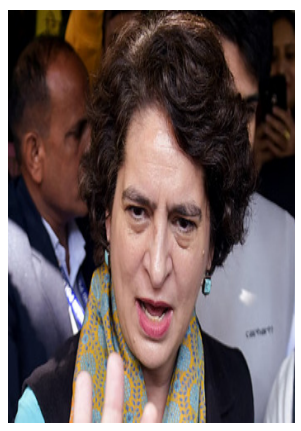

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण मामले पर पटना से लेकर दिल्ली तक राजनीतिक गरमाई हुई है। आज भी विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में बिहार के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है कि वे ही सदन नहीं चलाना चाहते। उन्होंने कहा कि सदन में विपक्ष नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रियंका गांधी ने सरकार को घेरा- प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि %जब भी विपक्ष के नेता सदन में बोलना चाहते हैं तो उन्हें बोलने की इजाजत नहीं दी जाती। हम चर्चा की मांग कर रहे हैं और उन्हें ये मांग माननी चाहिए। बीते सत्र में मैं ये देखकर हैरान रह गई कि सत्ता पक्ष ने सदन में हंगामा शुरू किया। उन्होंने एक मुद्दे को पकड़ा ताकि विपक्ष उस पर प्रतिक्रिया दे। जिससे हंगामा हुआ और सदन की कार्रवाई स्थगित हो गई। अगर ये उन्हें सही लगता है तो फिर ठीक है।%बिहार के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा विपक्ष- गौरतलब है कि विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले, बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण मामले पर सदन में चर्चा की मांग कर रहा है। सरकार ने अगले हफ्ते ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की बात कही है, लेकिन विपक्ष बिहार के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। इसे लेकर आज भी विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और विपक्ष के कई सांसद शामिल हुए।

संपादकीय Editorial

No politics in relief

Politics should not be allowed in relief, but the questions of Himachali existence are now being proved not under the shadow of stars, but only in the corridors of politics. Former Chief Minister Jairam Thakur feels that the wounds of Seraj, Karsog and Nachan are being ignored. Obviously, neither loyalty should be sought through wounds nor should they be weighed on the scales of politics. The foundation of the former Chief Minister's allegations may be the tears of his assembly, but this is the time for the boats of shared heritage. Flood is not a toy and neither can disaster be a testimony to any animosity. It is ironic that despite the disaster, Jairam vs Jagat Singh Negi has started. We will be called careless towards Himachal with disaster in its existence. How did the disaster come and how will it go, the entire Himachal is full of risks in the completion of this question. Apart from the messages of relief and the orders of the government, the society has also extended its hands in the disaster. This is the reason why the administration had to say what all things are needed to reach out for help. The caravan of help is not just help, it is an assurance of relief which has to be fulfilled collectively, but the irony is that now Himachal has started wandering in the pasture of statements. If the concerns of entire Himachal, apart from the ruling party and the opposition, have reached the flood-affected areas, then the affected people are witness to how straws can be used to support one straw. Of course, Himachal will have to spend the maximum of its limited resources in the flood-affected areas, but here the gap between the nation and Himachal will also be mentioned. There will be a mention of the role of the Center, there will be a reference to those applications which were expressing their sympathy in the face of Delhi's pain two years ago. If politics is Seraj versus Shimla, then it is also Shimla versus Delhi. Is our advocacy based on the standards of a national disaster or is it to drag politics into the disaster? What should be done honestly is that entire Himachal should ask for its share of relief from the Center. If the hearts of seven MPs from Himachal beat together in the heart of Delhi, then the lump sum installment will reach the relief camps of all the flood-affected areas. Of course, the destruction that is being associated with development in Himachal is also due to politics or political priorities to a large extent. Why is our development model failing? Let us also do some politics on this. Why have the leaders of Himachal Pradesh been breaking the bones of the TCP law till date? Why have they been giving encroachers a chance to tamper with nature? What policies have we made regarding water, forest and land? The character of politics and the behavior of every ruling party proved to be the same. It has been proved that whoever had the power or who was the influential face of power, in the name of progress, grew such development in the concrete jungle, which is today wreaking havoc. Instead of being disciplined, we are making the mountains a pasture of political priorities. There are thousands of such government buildings, which have done the work of destruction. All the politicians and public representatives should think how many JCB machines, crushers and land dealers have increased in their constituencies. We are not the Himachal of needs, we are the Himachal of snatching. In such a situation, will there be snatching in disaster relief too? Is there no honesty in our mercy too? If the people of Himachal can gather some form of donation and breathe a sigh of relief, then all the noble paths of the state should open. If we invite the disaster of slander in the disaster, then we will not become a state, but only a mound of political selfishness or politicians.

India is showing the way to the world in clean energy, big goals will be achieved soon

Changes in the international policy on renewable energy are also necessary. For this, the policy of providing financial resources and technology transfer will not only have to be liberalized but many complex aspects will also have to be taken care of. India's success raises hope in this matter. If India can achieve this goal, then the world can also move forward in that direction. There is no dilemma about moving towards clean energy amidst the ever-increasing challenge of climate change. Despite this, this discussion is stuck in unnecessary conflicts regarding fossil fuels and renewable energy. In this, the complexity of transition on the energy scenario is being ignored and this situation is being seen more in the Global South i.e. developing or emerging economy. The need is not to completely abandon fossil fuels, but to move forward in the direction of a balanced policy to reduce dependence on them and increase strategic investment in non-fossil fuels. Investment in solar, wind, water, nuclear and bioenergy should be at the core of this strategy. It is noteworthy that the cost of solar and wind energy has fallen by more than 80 percent in the last decade. Due to this, the cost of solar-wind energy has become more economical than electricity generated from coal and gas in many areas. Renewable energy provides stability in prices as well as ensures energy independence. Once installed, the cost becomes almost negligible. These are some benefits that fossil fuels can never match. Such capabilities can also be used to deal with geopolitical deadlocks easily, because supply chains get affected when tensions flare up in energy-rich regions. The Russia-Ukraine war was a big example of this. Countries that invest in clean domestic energy can avoid such instability. To face the challenge of climate change, adopting renewable energy sources has become even more essential because fossil fuels alone account for about three-fourths of global greenhouse gas emissions. It is clear that it will be difficult to get rid of carbon without betting on renewable energy. Despite such extensive benefits, it is a fact that even developed countries have not been able to fulfill their goals of clean energy. After gaining an initial lead, the European Union's steps also faltered on this front. Aspects like political pressure, concern about prices and growing opposition to carbon regulations are the main reasons for this. More than 60 percent of electricity in the US is still being generated from fossil fuels. The result of this is that the countries that are least responsible for increasing the climate crisis are under pressure to move rapidly towards clean energy and that too without giving them minimum support. This creates an impossible situation for developing countries. In view of this, a large part of Africa including India, Indonesia and Brazil face a double challenge. On the one hand, they have to reduce carbon footprint and on the other hand, they have to create infrastructure, provide employment to people and also expand the scope of their economy to bring crores of people out of the purview of poverty. It is natural that the demand for energy will increase further in these countries due to industrialization, urbanization, population growth and improvement in living standards. In this scenario, India's achievements are noteworthy. By June this year, renewable energy accounted for 50.08 percent of the total installed power capacity in the country. This milestone was crossed five years before the target set for the National Determined Contribution (NDC) commitment under the Paris Agreement. This includes solar, wind, hydropower, bio and nuclear energy. The share of these renewable sources in the total installed capacity of 484.82 gigawatts was 242.78 gigawatts. This is a very rare case for any developing country, which achieved such success before the target set for itself. Policies have played an important role in this. While schemes like PM-KUSUM and PM Surya Ghar have made it easier to adopt solar energy, solar parks and wind corridors have helped in attracting investment in clean energy. The expansion of bioenergy has strengthened the rural economy. This is the reason why India remains the country with the lowest per capita emissions among the G-20 countries, which has taken a big leap on the clean energy front. India's strategy is also very pragmatic. It is not moving away from fossil fuels in a jiffy and coal and gas-based plants remain the major energy suppliers. As India targets 500 GW of non-fossil capacity by 2030 and zero carbon emissions by 2070, it will have to increase investments in grid modernization, energy storage, clean tech material recycling and modern fuels like green hydrogen. China is also demonstrating such capabilities. It has become the largest producer of solar panels, wind turbines and electric vehicles. Yet it cannot be ignored that it is the world's largest emitter, with more than half of its electricity still being generated from coal. Expansion of renewable energy is necessary, but it is not enough in itself and emissions will continue to rise in the continued expansion of fossil fuels. In such a situation, no single framework can prove to be effective for everyone. The Global South must understand that getting rid of fossil fuels overnight It cannot be achieved, but they will have to increase resources on renewable energy sources. Changes in the international policy on renewable energy are also necessary. For this, not only will the policy of providing financial resources to technology transfer have to be liberalized, but many complex aspects will also have to be taken care of. India's success in this matter raises hope. If India can achieve this goal, then the world can also move forward in that direction.

Resignation raising political pulses, many questions raised

When Dhankhar became the Vice President two years ago, it was said that the BJP wanted to appease the angry farmers, especially the Jat community. The BJP must have analysed how much electoral interest was met. It will be important to see what Dhankhar's new role will be and who will become the new Vice President. All kinds of speculations are being made about this too. Jagdeep Dhankhar's resignation is more surprising than his becoming the Vice President. This second highest constitutional post is neither given to anyone just like that nor does anyone leave it just like that. Dhankhar, who started his political career from Janata Dal and came to BJP via Congress, becoming Governor first and then Vice President was surprising. On the first day of the monsoon session, he cited giving priority to health as the reason for his resignation from the post of Vice President, but there are all kinds of speculations about this. If the resignation due to health reasons is not being accepted by the people, then the reason for that is also the leaders' lust for power. Leave alone power, there have not been many leaders in the country who voluntarily left politics. However, even after angioplasty in March this year, Dhankhar's outspokenness did not decrease. Whether it was the case of cash recovered from Justice Yashwant Verma's house or the Supreme Court's deadline for the President's approval of state government bills, he spoke openly on every issue. He did not remain silent on political issues such as the demand for removal of the words socialism and secularism added during the Emergency in the Preamble of the Constitution and one country-one election. Opposition parties saw and showed such statements of Dhankhar as linked to the agenda of the government and the BJP. Dhankhar was the most vocal and perhaps controversial Vice President. Apart from being the first Vice President to resign during a Parliament session in the middle of his term, he is also the Rajya Sabha Chairman against whom a no-confidence motion was discussed. The opposition, which was preparing a no-confidence motion against him in December last year, accusing him of biased conduct, is now praising him and questioning the government. This is the opportunistic character of politics. It is natural to raise questions on the sudden resignation of such a vocal person, but hardly anyone knows the truth except Prime Minister Modi, Amit Shah and Jagdeep Dhankhar himself. Two conflicting stories are being aired from the opposition camp. First, two birds with one stone have been killed in Bihar. By making Nitish Kumar the next Vice President, the path will be paved to make him the first BJP Chief Minister of Bihar by winning the assembly elections in the name of Bihari pride. Second, Dhankhar has resigned after being hurt by the behavior of the Leader of the House JP Nadda and Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju in the Rajya Sabha on the first day of the monsoon session. It is also being said that Dhankhar was upset with Nadda and Rijiju not coming to the second meeting of the Business Advisory Committee held on Monday afternoon. Being the Vice President, he was also the Chairman of the Rajya Sabha and the Patron of the House. It is his prerogative to decide what will be recorded in the proceedings of the House and what will not. Dhankhar probably felt hurt by the manner in which Nadda warned the opposition even while he was sitting on his seat. Nadda had said that his words will not go on record. Another story is also going around about Dhankhar approving the notice of impeachment motion against Justice Verma without discussing it with the government. Although there is no fixed scale for hurt sentiments, Jagdeep Dhankhar's image is not that of a leader who takes decisions in anger, otherwise he would not have reached the post of Vice President after being an MP from Janata Dal and then an MLA from Congress and joining BJP. Then is there really a well-planned strategy behind Dhankhar's resignation? If we look at the political style of BJP, nothing happens there by chance. BJP does not easily give important posts to leaders coming from other parties. In this case, there are very few exceptions like Himanta Biswa Sarma, Satyapal Malik and Dhankhar. As a reward for his role in the expansion of BJP in the Northeast, former Congress leader Himanta is now the Chief Minister of Assam. As the Governor of West Bengal, Dhankhar's conflict with Chief Minister Mamata Banerjee remained in the headlines. The opposition links his appointment as Vice President to that, but Satyapal Malik did as much damage to BJP's credibility as even the opposition could not do. When Dhankhar became Vice President two years ago, it was said that BJP wanted to appease the angry farmers, especially the Jat community. BJP must have analyzed how much that electoral interest was achieved. It will be important to see what will be Dhankhar's new role and who will become the new Vice President. All kinds of speculations are being made about this too. If the electoral chessboard has to be laid through the post of Vice President, then BJP would want to crown one of its leaders from South India, where even its only fort of power, Karnataka, has collapsed. If we try to understand BJP's politics, strategy and management from past experience, then many big changes are going to happen in the near future. The new national president of BJP has been awaited for a long time. It should not be surprising if big changes are seen from the organization to the cabinet and the power establishment.

जेल से छूटकर फरीदा बन गई महक... अब गैंग बनाकर करती है ये घिनौना काम; प्रेमी के लिए किया था पिता का मर्डर

मुरादाबाद- मुरादाबाद पुलिस ने हनी ट्रैप गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह सरकारी कर्मचारी, नेता और व्यापारियों को अपने जाल में फंसा कर वसूली करता था। मुरादाबाद में प्रेमी के लिए पिता को मौत के घाट उतारने वाली फरीदा जेल से छूटकर महक बन गई। उसने लोगों को ठगने के लिए हनी ट्रैप गिरोह बना लिया। इसके बाद उसने रानी और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सरकारी कर्मचारी, नेता और व्यापारियों को अपने जाल में फंसा कर उनसे रकम वसूलनी शुरू कर दी। यह गिरोह उम्रदराज और आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को अपना शिकार बनाता था। पुलिस का दावा है कि 25 से 30 लोग इनके चंगुल में फंस चुके हैं।नागफनी के दीवान का बाजार निवासी महक उर्फ फरीदा ने 17 साल पहले कटघर क्षेत्र में अपने प्रेमी के साथ मिलकर पिता की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। नाम के साथ बदल लिया ठिकाना कटघर पुलिस ने इस मामले में महक उर्फ फरीदा को जेल भेज दिया था लेकिन जमानत मिलने के बाद फरीदा जेल से बाहर आ गई। इसके बाद उसने अपने नाम के साथ ही ठिकाना भी बदल लिया। शहर की पॉश कॉलोनी दीनदयाल नगर में महक बनकर रहने लगी। इसी दौरान इनके संपर्क में सोनू शर्मा, अमन, राधेश्याम और राहुल शर्मा आ गए।

सोनू और अमन ऐसे लोगों की तलाश में रहते थे जो पैसे वाले और उम्रदराज हो। इनके मोबाइल नंबर हासिल करके अमन और सोनू शर्मा महक और उसकी सहेली रानी को उपलब्ध करा देते थे।गिरोह बनाकर वसूली करता है गैंग इस गिरोह ने बिजली विभाग के एक कर्मचारी को भी फंसाकर उससे रकम वसूली थी। इसी तरह अन्य विभागों को कर्मचारी, व्यापारी और नेता भी इन गिरोह के जाल में फंसकर रकम गंवा चुके हैं।कॉल डिटेल करेगी कई चेहरे बेनकाब इस गिरोह के चंगुल में फंसकर अपनी रकम गंवाने वाले लोग वैसे तो सामने नहीं आए हैं लेकिन पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो पता चला कि 20 से 30 लोगों को यह गिरोह अपना शिकार बना चुका है। अब पुलिस दोनों महिलाओं और इनके साथियों के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवा रही है जिससे पता चलेगा कि इन्होंने किन किन लोगों से बात और चैट की है।शिकंजे में हनी ट्रैप गिरोह, दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में मंगलवार रात फ्लैट में दो महिलाओं ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त सहकारिता सचिव को फ्लैट में बुलाकर हनी ट्रैप में फंसा लिया। उनसे 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी।

उन्हें अगवाकर रंगदारी की रकम लेने ठाकुरद्वारा जाते समय पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी महक, रानी, इनके साथी राहुल शर्मा औएसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि ठाकुरद्वारा निवासी 72 वर्षीय रूप किशोर शर्मा सहकारिता विभाग में सचिव पद से सेवानिवृत्त हैं। वर्तमान में वह ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। पांच दिन पहले इनके व्हाट्सएप पर एक महिला ने मैसेज किया और दोस्ती करने का झांसा देकर बातचीत शुरू कर दी। इसके बाद महिला व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल करने लगी।किशोर को मिलने के लिए फ्लैट पर बुलाया मंगलवार की शाम आरोपी महिला ने रूप किशोर को मिलने के लिए शहर की दीनदयाल नगर कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में बुला लिया। आरोपी महिला उन्हें कमरे में ले गई। इस दौरान पहले से दूसरे कमरे में छिपे महिला के चार साथी और एक महिला भी बाहर आ गईं।वीडियो बनाकर मांगी रकम इस बीच रूप किशोर कमरे से बाहर निकले तो उनकी वीडियो बना ली जिसे सोशल मीडिया पर वायरल करने और उन्हें जेल भिजवाने की धमकी दी। जेल जानेपीड़ित ने बाकी रकम बाद में देने के लिए कहा लेकिन आरोपियों को उन पर विश्वास नहीं हुआ। आरोपी उनकी गाड़ी में ही बैठ गए और उन्हें अपने कब्जे में ले लिया। बाकी रकम के लिए आरोपी उन्हें ठाकुरद्वारा ले जाने लगे।इस दौरान चट्टा पुल के पास कांवड़ यात्रा में लगे पुलिस कर्मियों को देखकर रूप किशोर ने शोर मचा दिया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर कार रुकवा ली। पुलिस ने कार से नागफनी के दीवान का बाजार निवासी महक उर्फ फरीदा (38), नागफनी के गुलाब का बाग निवासी रानी (28), मंडी में आढ़त पर काम करने वाले मझोला क्षेत्र के एकता कॉलोनी निवासी राहुल शर्मा (30) और मूंढापांडे के चंदनपुर इशापुर निवासी राधेश्याम (30) को गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों ने बताया कि दूसरी गाड़ी में इनके साथी अमन और सोनू शर्मा थे। वह मौके से गाड़ी दौड़ाकर भाग गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 40 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं। बुधवार शाम दोनों महिलाओं और इनके दो साथियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य कर चोरी कर रही फर्मों पर जीएसटी टीम की छापेमारी, एक फर्म सील

मुरादाबाद- जिले में मेटल फर्मों पर जीएसटी की टीम ने बुधवार को छापेमारी की। फर्म स्वामी के खरीद और क्रय के अभिलेख न दिखाने पर फर्म को सील कर दिया गया। जबकि कर जमा न करने पर दूसरी फर्म के अभिलेखों की जांच के बाद जब्त कर लिया। बुधवार को जीएसटी विभाग की टीम ने थाना नागफनी के मोहल्ला डॉ. एस कुमार चौराहा डॉलर इंपैक्स फर्म पर छापेमारी की। इस दौरान फर्म स्वामी जीएसटी टीम को मौके पर कोई अभिलेख नहीं दिखा पाया। जिसके कारण टीम ने फर्म को सील कर दिया। निदेशक राजस्व लुधियाना यूनिट के वारिष्ठ अधिकारी अमित कुमार गौतम के हस्ताक्षर से फर्म को सील करने की कार्रवाई की गई। वहीं डेहरिया मोहल्ले में स्थित मेरिकल ट्रेडर्स फर्म पर छापेमारी के दौरान फर्म के अभिलेखों की जांच कर रही जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामला कर राज्य कर चोरी को लेकर ऑनलाइन जीएसटी जमा करने में त्रुटियां पाई गईं हैं। ऑनलाइन चेकिंग में कर चोरी की पुष्टि होने पर जांच की जा रही है। टीम ने जांच के लिए फर्म के अभिलेखों को अपने कब्जे में ले लिया है।

29 जुलाई से सप्ताह में दो दिन चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस, बरेली-मुरादाबाद स्टेशन पर भी ठहराव

मुरादाबाद- बिहार के बापूधाम मोतिहारी से आनंदविहार के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस (15567-68) ट्रेन का संचालन 29 जुलाई से शुरू होगा। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी और सभी कोच अनारक्षित होंगे। मुरादाबाद और बरेली स्टेशनों पर इसका ठहराव रहेगा। मोतिहारी से आनंदविहार के लिए गुरुवार व शुक्रवार को चलेगी। बरेली स्टेशन पर देर रात 1:10 बजे और मुरादाबाद स्टेशन पर 2:55 बजे रुकेगी। वापसी में आनंदविहार से मोतिहारी के लिए बुधवार और शनिवार को चलेगी। मुरादाबाद में शाम शाम 4:50 बजे और बरेली में 6:17 बजे ठहरेगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि इस ट्रेन में सभी कोच अनारक्षित होंगे।जनरल टिकट लेकर यात्री 22 बोगी वाली इस ट्रेन में सफर कर सकते हैं। लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, बस्ती, कप्तानगंज जाने वाले यात्रियों को भी इससे सहूलियत होगी। यह ट्रेन विशेषकर श्रमिक वर्ग के लिए चलाई जा रही है, जो अकसर दिल्ली से बिहार के बीच सफर करते हैं। 27 से हापुड़ में रुकेगी मेरठ-लखनऊ वंदेभारत मेरठ से लखनऊ के बीच चलने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का ठहराव 27 जुलाई से हापुड़ में भी होगा। स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों की मांग पर रेलवे ने यह व्यवस्था की है। (22489-90) वंदेभारत एक्सप्रेस मेरठ से लखनऊ जाते समय सुबह 7:08 बजे और लखनऊ से मेरठ लौटते समय रात 8:58 बजे हापुड़ में रुकेगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि 27 अगस्त से ट्रेन का विस्तार अयोध्या होते हुए बनारस तक कर दिया जाएगा। बनारस तक चलने के बाद ट्रेन के हापुड़ में ठहराव का समय बदलेगा। मेरठ से लखनऊ जाते समय तो सुबह 7:08 बजे ही ट्रेन हापुड़ में रुकेगी। जबकि बनारस से वापस आते समय हापुड़ स्टेशन पर रात 8:10 बजे रुकेगी।

डीआरआई की टीम ने किया निजी कंपनी का दफ्तर सील, 600 करोड़ के घोटाले और आरोपी की गिरफ्तारी की चर्चा

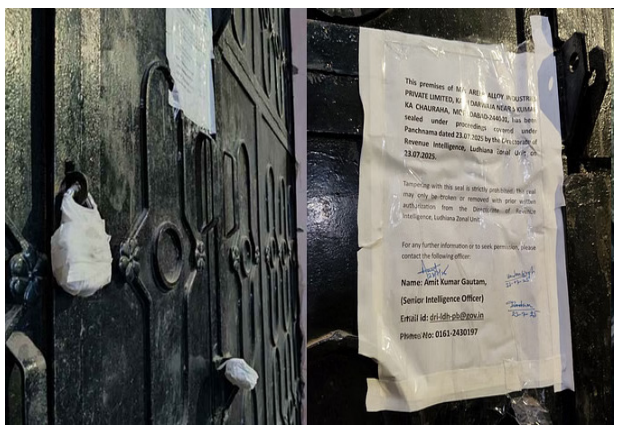

मुरादाबाद- राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुरादाबाद में कार्रवाई करते हुए एक दफ्तर को सील कर दिया है। इसके साथ ही उस पर नोटिस चिपकाया गया है। बताया जाता है कि यह मामला 600 करोड़ से जुड़ा हुआ है। मुरादाबाद के मुगलपुरा थानाक्षेत्र में डॉ. एस कुमार चौराहे के पास एक निजी कंपनी के दफ्तर पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की ओर से कार्रवाई की गई है। जांच के सिलसिले में कार्यालय को सील कर नोटिस चस्पा किया गया है। यह कार्रवाई बुधवार को हुई है।स्थानीय लोगों के मुताबिक टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार कर परिसर को सील कर दिया है। टीम ने दरवाजे पर जो नोटिस चस्पा किया है उसके अनुसार यह कार्रवाई डीआरआई लुधियाना जोनल यूनिट की ओर से की गई है। टीम ने किसी मामले में चल रही जांच के क्रम में कार्यालय को सील किया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक टीम की ओर से मौखिक रूप से बताया गया कि यह मामला करीब 600 करोड़ के जीएसटी बिल घोटाले से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि इस घोटाले से जुड़े एक आरोपी को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और न ही किसी विभाग ने इस कार्रवाई के संदर्भ में बयान जारी किया है। निजी कंपनी 20 जनवरी 2017 को रजिस्टर हुई थी। कंपनी का पंजीकरण कानपुर रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के तहत हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार कार्रवाई के बाद से कंपनी परिसर में ताला पड़ा है और स्टाफ भी नजर नहीं आ रहा है। अब तक किसी भी एजेंसी की ओर से सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया गया है कि कितनी राशि का घोटाला हुआ है और मामले में कौन-कौन शामिल है। चस्पा नोटिस पर यह है लिखा चस्पा नोटिस पर लिखा है कि एम/एस अरीब एलॉय इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (कांठ दरवाजा, डॉ. एस कुमार चौराहा, मुरादाबाद) स्थित परिसर को 23 जुलाई 2025 को राजस्व खुफिया निदेशालय की लुधियाना जोनल इकाई की ओर से की गई कार्रवाई के तहत सील किया गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि इस सील से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ करना सख्त मना है। सील तभी खोली या हटाई जा सकती है जब राजस्व खुफिया निदेशालय से इसकी लिखित अनुमति प्राप्त हो। इसपर किसी भी तरह की अन्य जानकारी के लिए कार्रवाई करने वाले अधिकारी व उनकी ईमेल आईडी दी गई है। यह नोटिस वरिष्ठ खुफिया अधिकारी अमित कुमार गौतम की ओर से चस्पा किया गया है।

सत्यव्रत चौकी में पुलिस कंट्रोल रूम शुरू, बवाल के बाद कराया गया था निर्माण, बढ़ी पुलिस की शक्ति

मुरादाबाद- संभल में हिंसा के बाद तैयार की गई सत्यव्रत चौकी में पुलिस कंट्रोल रूम शुरू कर दिया गया है। अब पूरे जिले के पुलिसकर्मियों की सूचनाओं का आदान-प्रदान यहीं से होगा। इस कंट्रोल रूम में आत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। संभल में हिंसा के बाद जामा मस्जिद के सामने बनाई गई सत्यव्रत पुलिस चौकी में जिले का पुलिस कंट्रोल रूम शुरू हो गया है। इससे पहले बहजोई से जिला कंट्रोल रूम संचालित किया जाता है। बवाल के बाद संभल की सुरक्षा लगातार बढ़ाई जा रही है। 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान संभल में हिंसा हो गई थी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इसके बाद पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने पहले सत्यव्रत पुलिस चौकी निर्माण का निर्णय लिया था। इस पुलिस चौकी के निर्माण के बाद जिले का पुलिस कंट्रोल रूम इस पुलिस चौकी से संचालित करने पर निर्णय हुआ था। एएसपी (उत्तरी) राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिला कंट्रोल रूम सत्यव्रत पुलिस चौकी से संचालित होने लगा है। बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम के संभल में ऑपरेट होने से सुरक्षा मजबूत होगी।पुलिस के अधिकारी व थानों में तत्काल सूचना दी जा सकेगी। बहजोई में नेटवर्क की दिक्कत का सामना करना पड़ता था। जिसके चलते जिले के कई थानों से संपर्क नहीं हो पाता था। सत्यव्रत पुलिस चौकी में कंट्रोल रूम संचालित होने पर अब सभी थानों तक रेंज पहुंच रही है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे होने के दौरान बवाल हुआ था। इसमें पुलिस पर पथराव, फायरिंग की गई थी। आगजनी की घटनाएं भी हुई थीं। बवाल के बाद ही संभल शहर में सुरक्षा मजबूत किए जाने पर अधिकारियों ने निर्णय लिया था।परियावली पुलिस चौकी का लोकार्पण किया गया असमोली थाने की नवीन पुलिस चौकी परियावली का बुधवार को डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कर लोकार्पण किया गया। इससे परियावली के आसपास के गांवों के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। इस दौरान एसडीएम विकास चंद्र और सीओ असमोली कुलदीप कुमार मौजूद रहे।हिंदूपुरा खेड़ा और दीपा सराय पुलिस चौकी का निर्माण अधूरा-बवाल जिन इलाके में हुआ था। वहां भी पुलिस चौकी बनाई जा रही हैं। हिंदूपुरा खेड़ा में तोड़फोड़ और आगजनी की गई थी।

साड़ी, चूड़ी और कंगन से खनक रहा तीज का बाजार

कांजीवरम सिल्क और बनारसी साड़ी सुहागिनों की पहली पसंद

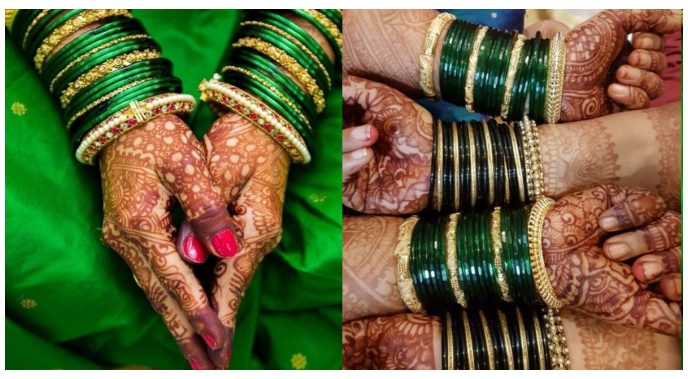

मुरादाबाद- हरियाली तीज पर बाजार कंगन, चूड़ी और हरी साड़ियों की चमक से गुलजार है। खरीदारी करने के लिए महिलाएं दुकानों पर पहुंच रही हैं। महिलाएं अपनी पसंद की हरी साड़ियां, चूड़ी और कंगन की खरीदारी कर रही हैं। 27 जुलाई को हरियाली तीज है। सुहाग का प्रतीक हरा रंग है। ऐसे में वे हरी साड़ी के साथ मैचिंग खरीदारी सुहागिनें कर रही हैं। दुकानों पर कई तरह की वेरायटी की बुधवार को सुबह से शाम तक महिलाएं खरीदारी के लिए बाजार में और मंडी चौक बाजार में चूड़ी कारोबारी रिजवान ने बताया कि इस आई इन चूड़ियों की कीमत 420 रुपये प्रति सेट रखी गई है। इसके 210, राधे 190 और मेजा चूड़ी की कीमत 100 रुपये प्रति सेट है। अनुपमा कंगन की कीमत 200 रुपये प्रति सेट, भाभी कंगन की 250 रुपये प्रति सेट और चंद्रमुखी कंगन की कीमत 60 रुपये प्रति के साथ ही बाजार में हरी साड़ियों की भी जबरदस्त मांग है। साड़ी का त्योहार है। इसके लिए बाजार में रौनक बढ़ गई की चूड़ी कंगन व अन्य सजने-संवरने के सामानों की चूड़ी, कंगन और साड़ी बिक्री के लिए मौजूद हैं। मौजूद रहीं। टाउन हॉल, बुधबाजार, गंज, पुरानी तहसील बार हरी चूड़ियों की कई वेरायटी मौजूद हैं। हरे रंग में अलावा झनक चूड़ी 210, रूप मंत्रा 220, शिवगुरु साथ ही कंगन की भी कई वेरायटी मौजूद है। इनमें कीमत 210 प्रति सेट, चुलबुली कंगन की कीमत सेट है। हरी साड़ियों की डिमांड सबसे अधिक चूड़ी कारोबारी मोहन ने बताया कि त्योहार को देखते हुए हरे रंग की साड़ियों की कई वैरायटी बाजार में बिक्री के लिए मौजूद है। इनमें जयपुरी प्रिंट की साड़ियां महिलाओं को खूब पसंद आ रही हैं। कांजीवरम और बनारसी साड़ी महिलाओं की हमेशा से पहली पसंद रही हैं। इसके अलावा महिलाओं को लहरिया, लक्ष्मीपति, बंदिश, घडचौली वैरायटी की साड़ियां भी खूब भा रही हैं। साड़ियों की कीमत 800 रुपये से लेकर 40 हजार और इससे भी अधिक तक की रेंज में उपलब्ध है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सोशल क्लब सजग द्वारा अर्थ ओवरशूट डे' के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में सोशल क्लब सजग द्वारा अर्थ ओवरशूट डे के मौके पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं समाज को संसाधनों के एवं सतत विकास के करना था। कार्यक्रम प्रज्वलन एवं स्वागत से हुआ। महाविद्यालय के अग्रवाल ने छात्रों को कहा कि आज हमें

पर्यावरण संरक्षण, विवेकपूर्ण उपयोग प्रति जागरूक का शुभारम्भ दीप अतिथियों के तत्पश्चात प्राचार्य डॉ सौरभ संबोधित करते हुए यह सोचने की आवश्यकता है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी पृथ्वी छोड़कर जा रहे हैं। हमें अपनी जरूरतों को सीमित कर प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करते हैं। और उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं । कार्यक्रम के अन्तर्गत पीपीटी पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता को आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के 52 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें पीपीटी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार माही अग्रवाल बी.ए., द्वितीय पुरस्कार रिंकी एम.एस.सी. भौतिक विज्ञान, तृतीय पुरस्कार मानसी बी.एस.सी. पी.सी.एम. को स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राखी बी.ए., द्वितीय पुरस्कार शिवानी बी.ए. तृतीय पुरस्कार आलेश बी.एस.सी. पी.सी.एम. को वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वर्षा बी.एस.सी. पी.सी.एम., द्वितीय पुरस्कार माही अग्रवाल बी.ए., तृतीय पुरस्कार स्नेहा एवं सलोनी को संयुक्त रूप से दिया गया। निर्णायक मंडल में डॉ के.के. अग्रवाल, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ पूजा अग्रवाल एवं अर्चना रानी रहे।कार्यक्रम के समन्वयक प्रफुल्ल पाठक रहे एवं सोशल क्लब सजग के मेंटोर शिवम गंगवार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. सुमित अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, अजीत सिंह, प्रथमेश कुमार, डॉ सीमा श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश उपस्थित रहे ।

सिटीज 2.0 परियोजना: बरेली सहित यूपी के शहर, सभी 80 वार्ड होंगे कचरा मुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के सबसे साफ-सुथरे शहर में शुमार इंदौर के साथ जल्द ही बरेली भी कदमताल करेगा। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की सिटीज 2.0 परियोजना में शहर के 80 वार्ड जीरो वेस्ट (कचरा मुक्त) होंगे। 87 करोड़ की लागत से इसको लेकर कार्य किया जाएगा। वर्ष 2024 के शुरुआती दिनों में सिटीज 2.0 परियोजना के तहत केवल मॉडल वार्ड समेत नाथ कॉरिडोर, एबीडी एरिया के 14 वार्ड शामिल किए गए थे। इस प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए केंद्र की ओर से इसमें शहर के सभी 80 वार्डों को समाहित करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद सभी वार्डों में काम कराने का निर्णय लिया गया। सिटीज 2.0 में देश के 14 और प्रदेश के दो शहर आगरा व बरेली का चयन हुआ है। इसके लिए तैयार किया प्रोजेक्ट हरित प्रांगण (जीरो वेस्ट वार्ड योजना) का नाम दिया गया है।वर्ष 2024 में सिटीज 2.0 के तहत सिर्फ 14 वार्डों को योजना में शामिल किया गया था।

बार एसोसिएशन के उपचुनाव में दीपक पांडेय, सचिव पद पर जीत दर्ज की

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली बार एसोसिएशन के उपचुनाव में सचिव पद पर दीपक पांडेय ने अपने निकटतम कांटे के संघर्ष में 20 वोट से पराजित वहीं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य दीप्ति वोट से हरा दीया। बार एसोसिएशन उपचुनाव की मतगणना 6 राउंड में पांडेय, गौरव सिंह राठौर, अंगन सिंह, जबरदस्त मुकाबला नजर आया पांडेय और गौरव सिंह राठौर एक देते रहे। छठवें राउंड में दीपक पांडेय

प्रतिद्वंदी गौरव सिंह राठौर को कर जीत का परचम फहराया। सक्सेना ने लोकनाथ को 625 के सचिव पद के लिए हुए पूरी हुई। पहले राउंड से ही दीपक अंतरिक्ष सक्सेना के बीच में लेकिन अंतिम राउंड तक दीपक दूसरे को शिकस्त देते दिखाई ने गौरव सिंह राठौर को 20 वोट से हरा दीया। दीपक पांडेय को 427 वोट मिलें। जबकि गौरव सिंह राठौर को 407, अंगन सिंह को 333, अंतरिक्ष सक्सेना को 228, डी डी पांडेय को 52, जितेंद्र गुप्ता 11, नजमा परवीन को 62, प्रदीप को 187, प्रदीप सिंह को 20, राकेश श्रीवास्तव को 21, शशि कांत तिवारी को 45,सुनील वर्मा को 18, विनोद सिंह को 48 वोट मिले। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य दीप्ति सक्सेना को 1248 वोट मिलें और लोकनाथ को 625 वोट मिलें। इस प्रकार दीप्ति सक्सेना 623 वोट से विजयी हुए। चुनाव परिणाम आते ही दीपक पांडेय वातावरण दीपक पांडेय जिंदाबाद से गूंज उठा। खास बात यह रही कि दीपक पांडेय ने वी पी ध्यानी अमर रहे के नारे लगाए। सचिव पद पर विजयी रहे दीपक पांडेय का कहना है उनकी प्राथमिकता बार और बेंच के बीच में तालमेल बैठाना है और अधिवक्ताओं के हितों के लिए संघर्ष करना है

मिशन हास्पिटल में अब हुई बिना चीरे और तार के होगी हार्ट सर्जरी

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 तन्मय अग्रवाल अब मिलेंगे बरेली में

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में स्थित मिशन हॉस्पिटल के हृदय रोग विभाग के नाम एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई चिकित्सा के इतिहास में पहली और तार के आधुनिक पेसमेकर मिशन हास्पिटल में लीडलेस तकनीक के जरिए 87 वर्षीय बुजुर्ग में बिना चीरे और बिना तार के प्रत्यारोपित किया गया।हृदय रोग तन्मय अग्रवाल ने बताया कि यह की प्रमुख कंपनी मेडट्रॉनिक द्वारा गई है। इसका नाम माइक्रा वीआर

है। बरेली बार बगैर चीरे डाला गया है। पेसमेकर मरीज के दिल पेसमेकर विशेषज्ञ डॉ. डिवाइस देश विकसित की टू है। यह दुनिया का सबसे छोटा पेसमेकर है। इस तकनीक की खास बात यह है कि इसमें न तो किसी प्रकार का चीरा लगाया जाता है और न ही तार की जरूरत होती है। डिवाइस को पैर की नस के माध्यम से हृदय में फिट किया जाता है। इस प्रक्रिया में इंफेक्शन का खतरा न के बराबर होता है और मरीज की रिकवरी भी काफी तेज होती है।. तन्मय अग्रवाल ने बताया कि यह पेसमेकर मात्र 25 मिनट में लगाया गया। मरीज को 24 घंटे में अस्पताल से छुट्टी हो गई। इस डिवाइस की बैटरी लाइफ लगभग 13 वर्षों की है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक का इस्तेमाल अब तक पूरे भारत में सिर्फ 6 बार हुआ है, जिनमें से बरेली में यह पहली बार और उत्तर प्रदेश में दूसरी बार सफलतापूर्वक किया गया है। डॉ. तन्मय अग्रवाल ने अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज से कार्डियोलॉजी की पढ़ाई की है। राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली तथा राम मूर्ति मेडिकल कॉलेज में भी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि के पीछे अहमदाबाद के ट्रेनिंग सेंटर की विशेष भूमिका रही है, जहां वर्ल्ड क्लास स्तर की ट्रेनिंग और रिसर्च की जाती है। मिशन अस्पताल के डायरेक्टर पृथु वात्सल्य ने बताया कि आधुनिक तकनीक के आने से अब हृदय रोगियों को दिल्ली या लखनऊ जैसे बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। बरेली में ही अत्याधुनिक इलाज की सुविधा उपलब्ध हो गई है। यह लीडलेस पेसमेकर डिवाइस लगभग 13 लाख रुपये की है। आधुनक पेसमेकर के फायदे बिना चीरे और टांके के पेसमेकर इम्प्लांट न्यूनतम संक्रमण का खतरा मरीज की तेजी से रिकवरी बाहरी उभार पता नहीं चलता है।

रीना अग्रवाल बनी तीज क्वीन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व जागृति मिशन महिला मंडल बरेली ने तीज उत्सव एक होटल में धूमधाम से मनाया। जिसमे विभिन्न प्रतियोगिताओं और वन मिनिट गेम आयोजन हुआ। मेहंदी प्रतियोगिता में रश्मि अग्रवाल प्रथम, कंचन अग्रवाल द्वितीय रही । चूड़ी प्रतियोगिता में ललिता अनेजा, उमर रेलन विजेता रही। क्विज प्रतियोगिता की विजेता रेनू मिश्रा, रेनू वार्ष्णेय, गीतेश गुप्ता, नीरेश महेश्वरी और कुसुम खंडेलवाल रही। बेस्ट ड्रेस अप का पुरस्कार ममता गर्ग, सविता अरोड़ा को मिला। डांस प्रतियोगिता का का पुरस्कार शांति बिष्ट अनुराधा खंडेलवाल सुमित्रा गंगवार को मिला। तीज क्वीन का खिताब रीना अग्रवाल को मिला । रनरअप गीता जोशी रही । पुरस्कार वितरण महिला प्रधान ममता गर्ग एवं महिला संरक्षक सविता अरोड़ा ने किया। ममता गर्ग ने उपस्थित सभी बहनों को तीज की बधाई दी। समापन सुमित्रा गंगवार द्वारा आयोजित सुंदर भोज द्वारा हुआ ।

माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर क्रेडा सी.ई.ओ. का सरगुजा संभाग के जिला अंबिकापुर एवं सूरजपुर में ग्रामीण विद्युतीकरण योजना अंतर्गत स्थापित सोलर संयंत्रों का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ''जिला सूरजपुर में चांदनी बिहारपुर क्षेत्रांतर्गत स्थापित सोलर संयंत्रों के निरीक्षण के दौरान बैट्रियों के खराब होने की शिकायत पर तत्काल दी बैट्रियों की स्वीकृति। 15 दिवस में नयी बैटरियॉ लगाकर संयंत्रों को कार्यशील करने के दिये निर्देश' भारत सरकार एवं राज्य सरकार की सौर आधारित महत्तवपूर्ण योजनाओं के माध्यम से राज्य के नागरिकों को लाभ पहुंचाने का कार्य गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के क्रियान्वयन हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार की नोडल एजेंसी क्रेडा द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं क्रेडा अध्यक्ष माननीय भूपेन्द्र सवन्नी जी के मंशानुसार कार्यों की उत्कृष्ट गुणवत्ता एवं इसमे जीरो टॉलरेंस नीति को राणा द्वारा सतत रूप से किया जा रहा है। इस जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत द्वारा स्वयं ही ताबड़तोड दौरे किये जा रहे है। इसी की निरंतरता में श्री राजेश को तड़के सुबह सरगुजा संभाग के अंबिकापुर जिलें के विभिन्न ग्रामों में जल योजनाओं के अंतर्गत स्थापित सोलर संयंत्रों का औचक निरीक्षण किया के ग्राम सितकालो में क्रेडा की पंजीकृत इकाई मेसर्स दुर्गेश सोलर द्वारा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त संयंत्र के माध्यम से हेतु संयंत्र की स्थापना की गई है। जिससे उनके घरों में निर्बाध रूप से खुश है। साथ ही उनके द्वारा क्रेडा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए क्रेडा

फलीभूत करने का कार्य क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राजेश सिंह संयंत्रों के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए श्री राणा सिंह राणा, सी.ई.ओं, क्रेडा द्वारा दिनांक 23.07.2025 जीवन मिशन योजना ,सौर सुजला योजना, इत्यादि गया। सर्वप्रथम सी.ई.ओ. क्रेडा द्वारा जिला अंबिकापुर स्थापित 08 किलोवॉट ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट आर.व्ही. विलेजों में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने बिजली की आपूर्ती मिल रही है, एवं इससे हम बहुत सी.ई.ओ. श्री राणा एवं विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। अपने स्वास्थ्य की परवाह किये बिना क्रेडा सी.ई.ओ. ने किया सघन दौरा पूर्ण तत्पश्चात श्री राणा द्वारा ग्राम सितकालो (खर्रापारा) में क्रेडा की पंजीकृत इकाई मेसर्स आर.बी.पी. द्वारा स्थापित 08 किलोवॉट ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त संयंत्र अकार्यशील है जिस पर वहॉ उपस्थित ग्रामीणों द्वारा क्रेडा सी.ई.ओ. से संयंत्र को कार्यशील करने का अनुरोध किया जिस पर श्री राणा द्वारा क्रेडा के अधिकारियों को निर्देशित किया की संयंत्र को यथाशीघ्र कार्यशील कर ग्रामीणों को प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया साथ ही संयंत्र को कार्यशील कर प्रधान कार्यालय को सूचित करने का निर्देश दिया। जिला अंबिकापुर अंतर्गत स्थापित सौर संयंत्रों के निरीक्षण के दौरान पाये गये कमियों को दुरूस्त करने के लिए सम्पूर्ण प्रस्ताव 3 दिवस के भीतर क्रेडा के प्रधान कार्यालय को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश वहां उपस्थित क्रेडा के अधिकारियों को क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राणा द्वारा दिया गया, उक्त हेतु संबंधित क्षेत्रों के निवासियों को श्रीराणा द्वारा आश्वस्त किया गया कि उक्त संयंत्रों की खराबियों को शीघ्र ही ठीक करा लिया जायेगा। इसके उपरांत श्री राणा द्वारा उदयपुर विकासखण्ड के ग्राम सितकालो (खर्रापारा) में क्रेडा की पंजीकृत इकाई मेसर्स दुर्गेश सोलर द्वारा जल जीवन मिशन फेस-01 अंतर्गत स्थापित सोलर पेयजल संयंत्र का निरीक्षण किया गया, जिसमे क्रेडा द्वारा स्थापित सोलर पम्प कार्यशील पाया गया, किन्तु संयंत्र में लिकेज होने के कारण पानी बह रहा है। जिस पर वहॉ उपस्थित ग्रामवासी रौशन राम, शेर सिंह, दीना राम, अभिषेक लोहार, धनेश्वर द्वारा पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुचने की जानकारी दी गई, जिस पर श्री राणा द्वारा वहॉ उपस्थित क्रेडा के अधिकारियों को तत्काल संयंत्र में लिकेज की समस्या को सुधार कर प्रधान कार्यालय को सूचित करने के निर्देश दिये गये। श्री राणा द्वारा जिला सूरजपुर के ग्राम करौटी (इमलीपारा) में क्रेडा द्वारा स्थापित 10 किलोवॉट ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त संयंत्र के माध्यम से घरों में रात्रि के समय प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है। साथ ही उनके द्वारा क्रेडा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए क्रेडा सी.ई.ओ. श्री राणा एवं विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। (खसपारा-02) में क्रेडा द्वारा स्थापित 10 किलोवॉट ऑफ ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त संयंत्र के माध्यम से घरों में रात्रि के समय प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है। श्री राणा द्वारा निरीक्षण उपरांत वहॉ उपस्थित क्रेडा के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि क्रेडा के विभिन्न परियोजना अंतर्गत चल रहे कार्य जैसे- जल जीवन मिशन, सौर सुजला योजना, सोलर हाई मॉस्ट संयंत्र , सोलर पॉवर प्लांट एवं अन्य संयंत्रों के स्थापना के दौरान सतत् स्थल निरीक्षण करते हुये निविदा के मापदण्डानुसार गुणवत्ता सुनिश्चित कराते हुये कार्य ससमय पूर्ण करावे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

501 कांवरियों का जत्था जल लेने हुआ रवाना, जनप्रतिनिधियों ने अंगवस्त्र भेंट कर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / रिठौरा। वृहस्पतिवार को रिठौरा, मोहनपुर आसपुर रिछोला भंडसर, लाड़पुर आदि स्थानों से 501 शिवभक्त डाक कांवरियों का जत्था हरिद्वार, कछलाघाट गंगाजल लेने

रवाना होने से पहले हिंदू जागरण मंच के जिला अध्यक्ष अरूण कुमार फौजी, रिठौरा नगर अध्यक्ष राजीव उर्फ लवकुश, हरिपाल सिंह,भाजपा नेता शिवमंगल सिंह राठौर ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्र भेंट कर पुष्प वर्षा की। शिवालयों, देवस्थानों पर पूजा -अर्चना कर बैंड-बाजों, डीजे की धुनों पर थिरकते हुए भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए शिवभक्त जल लेने रवाना हुए। सोमवार को नगर,गांव के शिवालयों में करेंगे जलाभिषेक।इस दौरान भोले इंद्रपाल, तेजपाल मौर्य, अंकुर, राजेश कुमार,गंठे सहित भारी संख्या में पुलिस,पीएसी बल मौजूद रहा।

कोंच के लाल ने कर दिया कमाल

शारजहां में तैराकी प्रतियोगिता में अक्षत ने गोल्ड मेडल जीता

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच के मोहल्ला जय प्रकाश नगर निवासी और स्व रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य और बागेश्वरी साहित्य परिषद के अध्यक्ष मयंक मोहन

गुप्ता ठेकेदार के नाती अक्षत गुप्ता उर्फ डुग्गू ने कोंच का नाम रोशन किया है अक्षत जो की दिल्ली प्राइवेट स्कूल शारजहां में कक्षा पांच में अध्यनरत है उसने शारजहां में पूर्व में हुई तैराकी प्रति योगिता में गोल्ड मेडल जीतकर भारत देश का नाम रोशन किया था साथ ही साथ शारजहां में हुए एक्सपो सम्मेलन में भारत देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी से पांच मिनट मुला कात कर वार्ता की थी ऐसे होंनहार अक्षत का आज रेजा विला में आग मन पर शिक्षक ट्रस्ट से जुड़े संजय सिंघाल द्वारा वेवाक वार्ता की तथा उसने पूरी निर्भीकता के साथ सभी प्रश्नों का शानदार उत्तर दिया इससे प्रभावित होकर विधायक मूलचंद्र निरंजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा एवं ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कुंवर नरसिहं गहरवार एडवोकेट तथा ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य संजय सिंघाल ने पट्टिका उड़ाकर सम्मान किया इस अवसर पर मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार भी मौजूद रहे

स्मार्ट मीटर लग वाने को मोहल्ले वासी गुस्से से भड़के

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) बिजली विभाग द्वारा नगर के मोहल्ला मालवीय नगर और गोखले नगर में बिजली उपभोक्ताओं के घरों में नये स्मार्ट मीटर लगवाने के लिये एक अभियान चला या गया है

जब बिजली विभाग की टीम एसडीओ रविन्द्र कुमार की अगुवाई में मोहल्ला गोखले नगर और मालवीय नगर में पहुंची जैसे ही जेई अंकित साहनी की देखरेख में घरों में नये स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर उपभोक्ताओं से कर्मचारियों को तू तू में में होने लगी

और इस पर उपभोक्ता गुस्से में भड़क गये और मीटर लगाने वाली टीम से हंगामा कर शोर गुल मचाने लगे और मीटर न लगने की बात कहने लगे और इस पर भारी भीड़ आ गई इसी बीच बिजली विभाग ने कुछ उपभोक्ताओं के घरों की सप्लाई काट दी

इससे भीषण उमस भरी गर्मी से उपभोक्ताओं का पारा चढ़ गया और वह काफी हो हो हल्ला मचाकर विभाग के खिलाफ आगे आए और स्मार्ट मीटर लगाने से साफ मना कर दिया इस उपभोक्ता ओ को लेकर एसडीओ रविन्द्र कुमार और जेई अंकित साहनी ने स्थानीय कोतवाली पुलिस को इस की सूचना दी मौके पर कोतवाल विजय कुमार पांडेय दल बल के साथ पहुंचे और हंगामा काट रहे लोगों से बात की इस पर लोग कुछ शांत हुए कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि यह स्मार्ट मीटर जबर दस्ती लगाए जा रहे और मीटर लगाने की सूचना भी नहीं दी गई लोगो का कहना है कि यह स्मार्ट मीटर हाई फाई बिल आ रहे इस स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर लोगों में भारी गुस्सा देखा गया है

मुस्लिम समुदाय ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, आपसी सौहार्द की मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की तस्वीर सामने आई है।

जिसमें हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। मुस्लिम समाज ने गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया।मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कांवरियों पर फूल बरसाए, पटके पहनाए। साथ ही बम-बम भोले के जयकारे भी लगाए। रोडवेज बस अड्डे के समीप कलीम उर रहमान शम्सी के प्रतिष्ठान के सामने बृहस्पतिवार को हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का नजारा दिखा। बदायूं के कछला घाट से कांवड़ में गंगाजल भरकर आए कांवड़ियों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा की। कांवड़ यात्रा की अगुवाई कर रहे महंत को पटका भेंटकर स्वागत किया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कांवरियों को पानी और प्रसाद भी वितरित किया। कांवरियों ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने भी कांवड़ियों को पटका पहना कर पुष्प वर्षा की। मुस्लिम समाज के लोगों को कांवड़ियों का स्वागत करते देख रोडवेज बस अड्डा मार्ग से गुजर रहे राहगीर भी रुक गए। बम बम भोले के जयकारे गूंजे उठे। करीब एक घंटे तक भोलेबाबा के जयकारे लगते रहे। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। धार्मिक कार्यक्रमों में ऐसी सहभागिता से सामाजिक सौहार्द मजबूत होता है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, कलीम उर रहमान शम्सी, सैयद शोएब अली, खुर्रम शम्सी, सोनू ट्रांसपोर्टर, अबरार खान, रशीद सभासद, शबिउद्दीन शम्सी, सैयद मोहसिन अली, मारूफ अंसारी, सद्दाम सिद्दीकी,सभासद साकेत सक्सेना, राशिद हुसैन और वतनदीप मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

डॉक्टर के इंतजार में गर्भवती महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत के जिला महिला अस्पताल में सी-सेक्शन सर्जरी में देरी और चिकित्सकीय लापरवाही के कारण 26 वर्षीय गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की कथित तौर पर मौत हो गई। न्यूरिया थाना क्षेत्र के मैदना गाँव की निवासी लक्ष्मी देवी को प्रसव पीड़ा होने पर, लेकिन गर्भाशय ग्रीवा का फैलाव न होने के कारण, जो कि तत्काल सिजेरियन डिलीवरी की आवश्यकता होती है, न्यूरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सहिस पाल ने जिला अस्पताल रेफर किया था। उनके पति नरेश पाल और भाई अजय पाल ने बताया कि लक्ष्मी को मंगलवार शाम लगभग 5-30 बजे अस्पताल लाया गया था।

हालाँकि, उपस्थित स्त्री रोग विशेषज्ञों ने उनकी नैदानिक जाँच रिपोर्ट आने तक उनकी जाँच करने से इनकार कर दिया। मृतका के भाई अजय ने बताया कि उसे बहुत तेज़ दर्द हो रहा था। मेरी बहन डॉक्टरों से उसकी जाँच करने की मिन्नतें करती रही, लेकिन कोई नहीं आया,शाम लगभग 7.45 बजे उसे उल्टी हुई और उसके तुरंत बाद वह गिर पड़ी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि जिन परीक्षणों के नतीजे आने में 30 मिनट लगने चाहिए थे, उनमें तीन घंटे से ज़्यादा की देरी हुई। उन्होंने कहा, अस्पताल में कई परीक्षण सुविधाएँ हैं-अपनी पैथोलॉजी लैब, एनएचएम द्वारा वित्त पोषित एक एकीकृत लैब और एक हेल्थ एटीएम जो एक स्वचालित प्रणाली के ज़रिए 35-40 डायग्नोस्टिक परीक्षण करता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. राजेश कुमार ने कहा, हमें शाम 7.45 बजे रिपोर्ट मिली, जिसके बाद स्त्री रोग विशेषज्ञों ने उनकी जाँच की। लेकिन तब तक उनकी तबियत बिगड़ चुकी थी। मृतका के पति नरेश ने कहा, डॉक्टरों को मेरी पत्नी के बेहोश होने का एहसास तब हुआ जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। घंटों तक किसी ने उसकी जांच नहीं की और न ही कोई चिकित्सीय सहायता प्रदान की।उन्होंने ज़िला मजिस्ट्रेट और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दे दी है और गुरुवार को अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार पूरा करने के बाद औपचारिक शिकायत दर्ज कराएँगे। आरोपों का संज्ञान लेते हुए, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से दो दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट माँगी है।

संक्षिप्त समाचार

जमुनहा तहसील के अधिवक्ताओं के द्वारा किया गया कार्य का बहिष्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा तहसील के अधिवक्ता संघ द्वारा एसडीएम के पेशकार से विवाद होने के कारण उनको हटाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया और अपने कार्य से विरक्त रहे अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अजय कुमार पांडेय ने बताया कि जब तक एसडीएम के पेशकार को हटाया नहीं जाएगा तब तक अधिवक्ता गण अपनी कार्य से विरक्त रहेंगे।

उर्वरक बिक्री में ओवररेटिंग पर प्रशासन सख्त, 38 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, एक निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर जिले में उर्वरक विक्रेताओं द्वारा ओवररेटिंग और कालाबाजारी के विरुद्ध अभियान तेज कर दिया गया है। उर्वरक निरीक्षकों की टीम गठित कर तीनों तहसीलों में छापेमारी की गई, जिसमें कुल 38 प्रतिष्ठानों पर छापा डाला गया।कार्रवाई के तहत 05 उर्वरकों के नमूने संग्रहित किए गए, 18 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, वहीं विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत मल्हीपुर स्थित किसान सेवा केंद्र को निलंबित कर दिया गया है। जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र एवं अपर जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में क्षेत्रीय निरीक्षण किया गया, जहां 4 उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और एक को कारण बताओ नोटिस थमाया गया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। ओवररेटिंग, कालाबाजारी या टैगिंग जैसे मामलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी ने कृषक भाइयों से अपील की है कि वे उर्वरक आवश्यकता अनुसार ही खरीदें। जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है। किसान बी-पैक्स समिति या पंजीकृत निजी विक्रेताओं से उचित दरों पर उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं।

घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर नकेल कसने राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में आज अंतर्गत खाद्य संयुक्त टीम प्रतापपुर राजस्व एवं गैस के विभाग की व्यावसायिक द्वारा घरेलू न के ल उपयोग पर कसने के लिए प्रतापपुर के होटलों मे कार्यवाही की गई । जिसके अंतर्गत जरही स्थित सागर स्वीट्स संचालक बालगोविंद से 4 नग घरेलू गैस सिलेंडर जप्त कर कृष्णा एचपी जरही को सुपुर्द किया गया। जरही स्थित मंगल स्वीट्स संचालक मंगल साय से 3 नग घरेलू गैस सिलेंडर जप्त कर कृष्णा एचपी जरही को सुपुर्द किया गया द्य संबंधित प्रकरणों पर द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियम) आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी द्यइस कार्यवाही में तहसीलदार प्रतापपुर चंद्रशिला जायसवाल,नायब तहसीलदार मुकेश दास, राजस्व निरीक्षक मनोज भगत एवं खाद्य निरीक्षक शशि जायसवाल शामिल थे द्य

रूहिना अनम जे आर एफ उत्तीर्ण हुई

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा(प्रयागराज)नगर पंचायत मऊआइमा के मोहल्ला हजियाना निवासनीय रूहिना अनम पुत्री खुर्शीद ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में से उर्दू में (जे आर ओबीसी कोटे एफ फेलोशिप) उत्तीर्ण होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। रूहिना अनम फिलहाल इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जफर उल्ला अंसारी के अन्डर में पीएचडी कर रही हैं। रूहिना के इस स्थान पर पहुचने पर उनके भाई डाक्टर मोहम्मद दानिश, डाक्टर मोहम्मद नौशाद, मोहम्मद साकिब अधिशासी अधिकारी एंव क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी नूर उद्दीन सैफी, चेयरमैन शोएब अंसारी, मेराज आरिफ, वार्ड सदस्य कौशर गयास, शमीम उद्दीन बच्चा, इरशाद ,अफ्फान, एहतेशाम आदि ने खुशी व्यक्त की है।

छह दशक बाद, यूपी के पीलीभीत में बांग्लादेशी शरणार्थी परिवारों को मिलेगा ज़मीन का कानूनी मालिकाना हक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत/ पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से विस्थापित शरणार्थियों को बड़ी राहत देते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार पीलीभीत जिले के 25 गांवों में बसे 2,196 परिवारों को भूमि स्वामित्व अधिकार देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं, और अब केवल औपचारिक प्रक्रियाएँ बाकी हैं। 62 साल के इंतज़ार के बाद, विस्थापित परिवारों को अब उस ज़मीन की कानूनी मान्यता मिलने वाली है जिस पर वे रह रहे हैं और खेती कर रहे हैं। पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि जैसे ही अंतिम दिशानिर्देश प्राप्त होंगे, प्रशासन बिना किसी देरी के प्रक्रिया शुरू कर देगा। पीलीभीत के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजीत सिंह और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों ने इस कदम को शरणार्थियों के बलिदान और संघर्ष को लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता बताया। इन परिवारों को 1960 में सरकार द्वारा आवास और खेती के लिए ज़मीन आवंटित की गई थी, लेकिन उन्हें कभी कानूनी मालिकाना हक नहीं दिया गया। कानूनी अधिकारों के अभाव में, वे सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों से भी वंचित रहे। हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। सत्यापित शरणार्थी परिवारों को शीघ्र ही स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मिलने शुरू हो जाएंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पीलीभीत के 25 गांवों में रहने वाले 2,196 विस्थापित परिवारों में से 1,466 आवेदकों की सत्यापन रिपोर्ट पहले ही राज्य सरकार को भेज दी गई है। इस कदम से कलीनगर और पूरनपुर तहसीलों के 25 से अधिक गांवों के शरणार्थियों को लाभ होगा। इनमें टाटरगंज, बामनपुर, बैला, सिद्ध नगर, शास्त्री नगर और नेहरू नगर जैसे प्रमुख गांव शामिल है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि यह केवल जमीन के कागज देने की बात नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों की पीड़ा और संघर्ष को स्वीकार कर उन्हें सम्मान लौटाने का समय है, जिन्होंने सीमाओं के उस पार से विस्थापित होकर भारत में शरण ली और पिछले कई दशकों से पुनर्वास की उम्मीद में दिन गिने हैं। विभाजन के बाद, खासकर 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से हजारों हिंदू परिवार जबरन विस्थापित होकर भारत आए?। इनमें से बड़ी संख्या को पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जिलों में बसाया गया। शुरू के दौर में इन्हें ट्रांजिट कैंपों के जरिए अस्थायी ठिकानों पर रखा गया और फिर विभिन्न गांवों में जमीन आवंटित की गई। लेकिन वर्षों बाद भी इनमें से अधिकतर परिवार कानूनन भूस्वामी नहीं बन सके। लेकिन अब उनकी ये समस्या दूर होने जा रही है।

एस सी एस टी टीचर वेलफेयर सोसाइटी का गोष्ठी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती विकासखंड हरिहर पुर रानी के अंतर्गत एस सी एस टी टीचर वलफेयर एसोसिएशन जनपद इकाई श्रावस्ती की एक शैक्षिक संगोष्ठी जिलाध्यक्ष आशुतोष आज़ाद के नेतृत्व में बी आर सी हरिहरपुररानी मे आयोजित की गयी, जिसमे विभागीय कार्यों पर चर्चा की गई द्य वर्तमान में उत्पन्न विभागीय समस्याओं पर आपस में उपस्थित वक्ताओं ने प्रकाश डालते हुए उससे निपटने की रणनीति पर बात की तथा विद्यालय मर्जर सम्बन्धी समस्या को उपस्थित सदस्यों ने संगठन को अवगत कराया, जिस पर जिलाध्यक्ष ने सभी से ठोस रणनीति के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही संगठन के हरिहरपुररानी ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमे सर्वसम्मति से अरविन्द कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया, अजीत कुमार आर्य को महामंत्री और विपिन कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। राम छबीले पासवान को ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कमल कुमार आर्य, और विजेंद्र सिंह तथा अंजू वाल्मीकि को ब्लॉक उपाध्यक्ष, शिव मोहन को ब्लॉक संयुक्त मंत्री,नितिन कुमार को ब्लॉक मीडिया प्रभारी,और संजय चौधरी को ब्लॉक सह मीडिया प्रभारी चुना गया। देशराज को ब्लॉक सचिव, रविंद्रनाथ राम को ब्लॉक संगठन मंत्री, अनिल कुमार को ब्लॉक प्रवक्ता, मानवती को संगठन के सक्रिय सदस्य के रूप में चुना गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री राकेश गौतम, जिला संयुक्त मंत्री कमलेश कुमार, जिला सचिव नीलेश कुमार, संजीव गौतम, राजेश कुमार, संदीप कुमार,जिला संगठन मंत्री विजयपाल गौतम, जिला मीडिया प्रभारी अमरजीत गौतम, जिला सह मीडिया प्रभारी उमा शंकर भास्कर,जिला प्रवक्ता मनोज कुमार, जमुनहा ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द कुमार गौतम, गिलौला ब्लॉक अध्यक्ष ह्रदय राम,गिलौला महामंत्री मालिकराम, गिलौला कोषाध्यक्ष ब्राह्मदत्त राव, जमुनहा ब्लॉक सचिव धर्मपाल, सिरसिया ब्लॉक कोषाध्यक्ष सर्वेश कुमार, सिरसिया ब्लॉक सचिव राजबहादुर, सिरसिया ब्लॉक संगठन मंत्री रामनरेश और संजू गौतम, हरीश कुमार, वीरेंद्र कुमार, कुसुमलता सिंह, कार्यकारिणी सदस्य अमित कुमार,आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बलरामपुर के जिला संगठन मंत्री दिनेश कुमार ने किया। संगोष्ठी का संचालन हाकिम सिंह ने किया। सभी पदाधिकारियों ने संगठन के साथ मिलकर तथागत बुद्ध, और बाबा साहेब के बताये हुए मार्ग पर चलकर शिक्षक हित के लिए संघर्ष का संकल्प लिया।

मोहरसोप में हाथियों के लिए खेल का मैदान बना धान का खेत

बच्चे के जन्म की वजह से नहीं छोड़ रहे इलाका; लोगों के लिए फसल बचाना चुनौती

क्यूँ न लिखूँ सच / विभाग रेंजर मेवालाल पटेल एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेंजर ललित सायं पैकरा, चांदनी बिहरपुर क्षेत्र से मोबाइल बंद नदारद है ग्रामीण में काफी नाराजगी है कभी भी जंगली जानवर बरसात के महीने में घर को तोड़ सकते हैं या जनहानि पहुंच सकते हैं चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के मोहरसोप में जंगली हाथियों के उत्पात के कारण किसानों के लिए धान की फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है। खेतों में धान की फसल को जंगली हाथी खाकर और रौंद कर नष्ट कर रहे हैं। हाथी रोजन किसी ना किसी गांव में घुस फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। धान का खेत हाथियों के लिए खेल का मैदान बन गया है। 7 हाथियों को अक्सर खेतों में आपस में खेलते देखा जा रहा है। यह सिलसिला करीब 1 सप्ताह से चल रहा है। वन विभाग के अनुसार, मोहरसोप कछिया जंगल में एक 7 हाथी इसके कारण हाथी इलाका नहीं छोड़ रहे हैं। इधर, गुरुवार सुबह भी 7 हाथियों को बसनारा मोहरसोप गांव के पास खेलते देखा गया। इस दौरान धान के खेत भी बर्बाद हुए। ग्रामीणों ने किसी तरह हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। हाथियों ने बड़े पैमाने पर धान की फसल को नष्ट किया है किसानों का आरोप है कि वन विभाग मुआवजा फॉर्म तो उपलब्ध करा रहा लेकिन राशि नहीं सभी को नहीं मिल पाटी है। ना ही वन विभाग हाथियों को गांव से खदेड़ पा रहा है। हाथियों को भगाने के लिए सामाग्री भी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। हाथियों ने बड़े पैमाने पर धान की फसल को नष्ट किया है। इन हाथियों के कारण , छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश सीमा से लगा क्षेत्र सीमा समेत कई गांव के किसान परेशान हैं।हाथी ने पिछले वर्ष एक ग्रामीण की जान ले ली थी मोहरसोप कछिया नवडिहा बसनरा रसोकी गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान नेशनल पार्क जंगल में हाथियों का 1 दल मौजूद हैं। एक झुंड में 7 से अधिक हाथी हैं। वहीं, 7 अकेला हाथी भी इलाके में घुम रहा है। हाथी ने कुछ दिनों पहले ही पिछले वर्ष एक युवक की जान ली थी। हाथियों ने पिछले वर्ष500 एकड़ से अधिक धान की फसल बर्बाद की है। ये यहां करीब 3 माह से जमे थे। हाथी कभी वन विभाग जंगल चले जाते हैं तो कभी गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जंगल में रहते हैं। चांदनी बिहारपुर क्षेत्र गांव के किसान मंगेश्वर यादव ने बताया- बुधवार की रात्रि में हाथियों ने मेरे धान की फसल बर्बाद किया था। दिन में भी हाथी खेत में घुस आ रहे हैं। 7 हाथी रोज सुबह खेत में पहुंच जा रहे हैं। छोटा धन होने से हाथी खेलते-खेलते खेत नष्ट कर रहे हैं। से हाथी इलाके में जमे हुए हैं ओर धान की फसल बर्बाद कर दी है। इसके बारे में तब बिहारपुर रेजर मेवा लाल पटेल से बात करने की प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल बंद होने से उनसे बात नहीं हो पाया वहीं दूसरे और गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेंजर ललित सायं पैकरा से बात करने की प्रयास किया गया लेकिन उनका भी मोबाइल बंद होने के कारण बात नहीं हो पाया इस कारण से उनका पक्ष नहीं रख पाए

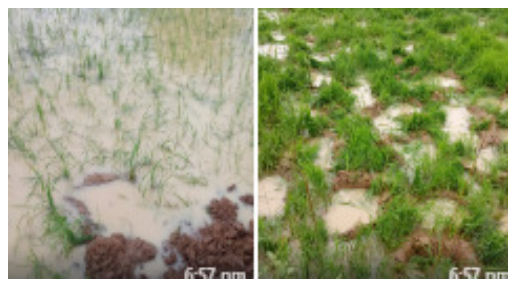

शामली शिव चौक पर बाबा भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार एवं महा आरती का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली शिव चौक शिव मूर्ति पर महाशिवरात्रि पर श्री हनुमान सेवा समिति द्वारा महाशिव आरती? का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम व बेंड बाजों और ढोल नगाड़ों के द्वारा आयोजित किया गया। श्री हनुमान सेवा सीमित के अध्यक्ष श्री सुनील निर्वाल जी ने पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेश राणा जी का पटका पहनाकर स्वागत किया।जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा जी द्वारा आरती कराईं गयी। और बाबा भोलेनाथ को हलवे? का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं की? भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह से बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ आरती में सम्मिलित हुए और बड़े उत्साह के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इसमें नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल जी, व्यापार प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग जी शामली जिलाअधिकारी श्री अरविंद चौहान जी, शामली सदर विधायक प्रसन्न चौधरी जी, पूर्व एमएलसी श्री वीरेन्द्र सिंह जी, पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम जी,श्री मोहित बेनीवाल जी, झिंझाना आयुष्मान हास्पिटल के चेयरमैन श्री मानस संगल जी,श्री अंकित गोयल जी, श्री सचिन जैन जी, आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा भव्य रूप से संपन्न नगरपालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी व टीम की ऐतिहासिक व्यवस्था की हो रही सराहना

नगरवासियों ने जताया आभार, जनसेवा की मिसाल बनी कांधला नगर पालिका परिषद की टीम

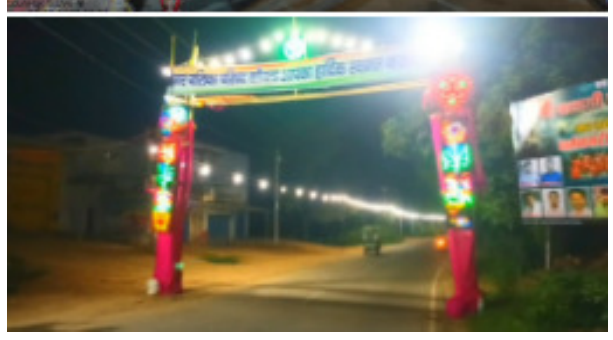

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित कांवड़ यात्रा इस वर्ष कांधला नगर में ऐतिहासिक रूप से सकुशल और भव्य रूप से संपन्न हुई। इस अद्वितीय सफलता के पीछे कांधला नगर पालिका परिषद की कुशल व्यवस्था, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का बड़ा योगदान रहा। नगर पालिका अध्यक्ष, व अधिशासी अधिकारी और उनकी पूरी टीम की कार्यकुशलता की नगर में चारों ओर सराहना हो रही है। चमक उठा कांधला सजावट, सुरक्षा और स्वच्छता में हुआ इतिहास नगर के प्रमुख कांवड़ मार्गों को झालरों और लाइटों से सजाकर एक उत्सवधर्मी वातावरण तैयार किया गया। वहीं मार्गों पर अस्थायी डिवाइडर लगाकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए। स्वच्छता को लेकर विशेष मुहिम चलाई गई, जिसमें शिविरों, मंदिरों और मार्गों पर कली व चूने का छिड़काव किया गया। कांवड़ियों के स्नान और पेयजल की सुविधा के लिए विशेष रूप से टैंकरों की व्यवस्था की गई। टीम के नोडल अधिकारी व जिम्मेदार कर्मचारी बने व्यवस्था के मजबूत स्तंभ इस संपूर्ण व्यवस्था को सफल बनाने में नोडल अधिकारी शैशील मलिक (सफाई एवं खाद्य निरीक्षक) की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उनके नेतृत्व में पूरी टीम ने दिन-रात मेहनत कर यह सुनिश्चित किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। टीम में विशेष सहायक अमरेश कुमार, सफाई लिपिक मुख्य लिपिक अशोक कुमार, जलकल विभाग के अवर अभियंता अनिल कुमार, जलकल लिपिक आरिफ खान, तथा कर्मचारीगण फैसल, नदीम, आशु तोमर, गुलजार आदि का कार्य अत्यंत प्रशंसनीय रहा। इन सभी ने फील्ड में लगातार निगरानी रखते हुए अपने-अपने दायित्वों को उत्कृष्टता के साथ निभाया। जनता ने दी सराहना, भविष्य में भी ऐसे प्रयासों की उम्मीद नगरवासियों ने इस अद्वितीय व्यवस्था की सराहना करते हुए नगर पालिका परिषद कांधला का हृदय से आभार व्यक्त किया है। लोगों ने कहा कि यह पहली बार हुआ है जब इतनी व्यवस्थित,सुरक्षित और श्रद्धापूर्ण यात्रा देखी गई। सभी नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि आगे भी नगर पालिका परिषद इसी प्रतिबद्धता और जोश के साथ जनसेवा करती रहेगी।कांधला कांवड़ यात्रा की सफलता केवल एक धार्मिक आयोजन की सफलता नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रशासनिक प्रयास, सेवा भावना और टीम वर्क का जीवंत उदाहरण है। नगरपालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी और समस्त टीम ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नीयत और नीति साथ हों, तो हर आयोजन ऐतिहासिक बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बाइक से गिरकर महिला घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच / मेजा, प्रयागराज। क्षेत्र के परवा गांव निवासी एक महिला गांव के ही एक व्यक्ति के साथ बाइक से प्रयागराज शहर किसी काम से गई थी। वापसी में वह सड़क पर गड्ढे की वजह से बाइक से गिरकर घायल हो गई। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के परवा (पाण्डेय पुर) गांव निवासी महिला मीना देवी पत्नी शंकरलाल कनौजिया शहर से वापसी के दौरान रामपुर करछना के पास सड़क पर गड्ढे होने की वजह से वह बाइक से छिटककर गिर गई। जिससे उसे चोट आ गई। जिसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मार पीट चौदह के खिलाफ क्रास मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा (प्रयागराज)मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम घूरघाट (बांका जलालपुर)निवासनीय फोटो देवी पत्नी रंजन कुमार का आरोप है कि स्टे की जमीन पर निर्माण कार्य करने से मना करने पर विपक्षियों ने परिजनों को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। जिसपर पुलिस ने राम किशोर, तुलसी राम,राज कुमार, प्रदीप कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जबकि दूसरे पक्ष के राजकुमार पुत्र राम किशोर ने राम अधार,रंजन पटेल, सज्जन पटेल, निरंजन,गीता देवी, फोटो देवी, नितिन कुमार, अभिषेक, विजय कुमार, अंकित कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

फातेहा पढने पर युवक को मारा पीटा गया मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा (प्रयागराज)मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर गंसियारी निवासनीय रेहाना बानों पत्नी मोहम्मद मसीद का आरोप है कि उसका पुत्र मोहम्मद रेहान फातेहा पढ रहा था।तभी विपक्षी मारे पीटे जान से मारने की धमकी दिए। रेहाना बानों ने मऊआइमा थाने में अरबाज, फरहान, जुनैद, मोहम्मद शोएब के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा 01 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना नैनी पुलिस द्वारा दिनाँक 23.07.2025 को मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद द्वारा निर्गत वारण्ट सम्बन्धित 1-मु0नं0 525/13 धारा 401 भादवि सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद, 2- मु0नं0 531/2013 धारा 4/5 EXP(S) ACT सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद से सम्बन्धित वारण्टी/अभियुक्त गोलू उर्फ अमित हरिजन पुत्र स्व0 संतलाल नि0 महेबा पूरब पट्टी थाना नैनी प्रयागराज को उनके घर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्तगण का विवरण - 1. गोलू उर्फ अमित हरिजन पुत्र स्व0 संतलाल नि0 महेबा पूरब पट्टी थाना नैनी प्रयागराज । सम्बन्धित वारण्ट का विवरण- 1.एसटी नं0 255/2014 मु0नं0 525/13 धारा 401 भादवि सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद 2.एसटी नं0-101280/2013 मु0नं0 531/2013 धारा 4/5 EXP(S) ACT सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद पुलिस टीम का विवरण- 1. प्र0नि0 श्री बृजकिशोर गौतम थाना नैनी कमि0 प्रयागराज । 2.उ0नि0 श्री उत्कर्ष सिंह चौकी प्रभारी एग्रीकल्चर थाना नैनी कमि0 प्रयागराज । 3. का0 पवन कुमार थाना नैनी कमि0 प्रयागराज ।क्यूँ न लिखूँ सच / थाना नैनी पुलिस द्वारा दिनाँक 23.07.2025 को मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद द्वारा निर्गत वारण्ट सम्बन्धित 1-मु0नं0 525/13 धारा 401 भादवि सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद, 2- मु0नं0 531/2013 धारा 4/5 EXP(S) ACT सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद से सम्बन्धित वारण्टी/अभियुक्त गोलू उर्फ अमित हरिजन पुत्र स्व0 संतलाल नि0 महेबा पूरब पट्टी थाना नैनी प्रयागराज को उनके घर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्तगण का विवरण - 1. गोलू उर्फ अमित हरिजन पुत्र स्व0 संतलाल नि0 महेबा पूरब पट्टी थाना नैनी प्रयागराज । सम्बन्धित वारण्ट का विवरण- 1.एसटी नं0 255/2014 मु0नं0 525/13 धारा 401 भादवि सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद 2.एसटी नं0-101280/2013 मु0नं0 531/2013 धारा 4/5 EXP(S) ACT सम्बन्धित मा0 न्यायालय एडीजे-2 इलाहाबाद पुलिस टीम का विवरण- 1. प्र0नि0 श्री बृजकिशोर गौतम थाना नैनी कमि0 प्रयागराज । 2.उ0नि0 श्री उत्कर्ष सिंह चौकी प्रभारी एग्रीकल्चर थाना नैनी कमि0 प्रयागराज । 3. का0 पवन कुमार थाना नैनी कमि0 प्रयागराज ।

पूर्व सांसद डॉक्टर उदित राज की जमीनों पर साइकिल चोरों का कब्जा ।

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रयागराज। कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व सांसद डॉक्टर उदित राज तरवाई, रामनगर, सिरसा, मेजा के मूल निवासी हैं। उनके बड़े भाई रामसागर सोनकर और पूर्व विधायक कालीचरण सोनकर की जमीन पर साइकिल चोर संजय राज उसकी पत्नी मीनू भाई अशोक कुमार मिलकर एक गिरोह चलते हैं। खाली जमीनों को ढूंढते हैं और उस पर फर्जीवाड़ा करके गलत तरीके से जमीनों पर कब्जा करके उसको औने पौने रेट पर बेचने का काम करते हैं। यह सभी पहले मोटरसाइकिल और साइकिल चोरी का काम करते थे किंतु इस समय जमीनों पर कब्जा करते हैं। इन लोगों को भारी तब पड़ गया जब कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिल्ली से सांसद रहे डॉक्टर उदित राज, पूर्व एडिशनल कमिश्नर इनकम टैक्स की जमीन जो उनके पैतृक गांव तरवाई, रामनगर मेजा में लेखपाल कमलाकांत पांडेय से मिली भगत कर गलत तरीके से जाली पेपर बनाकर जमीन पर कब्जा किया गया और जैसे ही गांव के लोगों को पता चला तो हल्ला हो गया। उसके बाद एसडीएम मेजा, थाना अध्यक्ष मेजा, एसीपी मेजा तमाम अधिकारी स्थल पर पहुंच कर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण देर रात में ही पुलिस ने विवादित स्थल पर मुआयना किया और हिदायत दिया कि 24 घंटे के अंदर जमीन अगर खाली नहीं हुई तो प्रशासन खुद इस जमीन को खाली कराएगा। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लेकिन अब देखना यह है कि यह साइकिल चोर संजय राज गिरोह पर कैसे करवाई होती है। मेजा थाना अध्यक्ष द्वारा तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है और मेजा एसडीएम ने कहां है कि इस तरह से जाली पेपर बनाकर काला धंधा करने वालो पर भी मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा जाएगा। लेखपाल कमलकांत पांडेय को एसडीएम ने बर्खास्त करने की बात कही। साइकिल चोर संजय राज गिरोह घर छोड़कर फरार हैं और पुलिस ढूंढ रही है।अब देखना है कि योगी और मोदी की सरकार इन गिरोहों को जेल कैसे भेजती है।

आईटीआई में इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक ज्ञान, उद्योगपतियों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शिवपुरी उद्योग आधारित जोड़ने के उद्देश्य से में इग्नाइट संस्था द्वारा कार्यशाला का आयोजन के मुख्य अतिथि अपर शुक्ला रहे। विशिष्ट आईएमसी के पूर्व रावत, आईटीआई आलोक श्रीवास्तव तथा

के विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण से होटल टूरिस्ट विलेज एक दिवसीय किया गया। कार्यशाला कलेक्टर दिनेश चंद्र अतिथि के रूप में अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह शिवपुरी के प्राचार्य इग्नाइट दिल्ली से पधारे अधिकारी एवं वरुण शुक्ला मंचासीन रहे। कार्यशाला में इग्नाइट संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि उनका उद्देश्य शासकीय आईटीआई के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उद्योगों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान देना है। इससे युवाओं की कौशल दक्षता में वृद्धि होगी और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इस अवसर पर शिवपुरी के प्रतिष्ठित उद्योगपति भी उपस्थित रहे, जो समय-समय पर आईटीआई के विद्यार्थियों को अपनी औद्योगिक इकाइयों में प्रशिक्षण का अवसर देते हैं। कार्यक्रम में इन उद्योगपतियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को औद्योगिक वातावरण और कार्यपद्धति की जानकारी दी गई, जिससे उनका आत्मविश्वास और तकनीकी कौशल दोनों ही मजबूत होंगे।

रोडवेज की टक्कर से पीआरवी के परखच्चे उड़े,महिला सहित तीन गंभीर घायल

रोडवेज का पीछे किया गया एवं बुलंदशहर जाकर पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ लोधा-लोधा की पीआरवी 742 बुधवार रात करीब पौने दो बजे खेरेश्वर हाईवे स्थित जतनपुर चिकावटी पांइट पर जा रही थी तभी लखनउ से बुलंदशहर जा रही रोडवेज बस ने पीआरवी को रोंदा डाला जिसमें पीआरवी के परखच्चे उड़ा दिये पीआरवी पर तैनात सिपाही सुरजीत कुमार व चालक वीरेश कुमार गंभीर घायल हो गये वहीं एक महिला हादसे की चपेट में आ जाने से गंभीर घायल हो गयी घटना की सूचना पर पहुंची लोधा पुलिस ने घायल पीआरवी कर्मियों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया और महिला को जेएन मेडिकल में भर्ती कराया वहीं टक्कर मारकर भाग रही रोडवेज बस का पीछा किया गया जिसे बुलंदशहर में मय चालक को पकड़कर थाना लोधा लाया गया।

नन्द किशोर अध्यक्ष, अंकित वर्मा बनाए गए नगर मंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की अमरिया नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें नंदकिशोर को नगर अध्यक्ष वही अंकित वर्मा नगर मंत्री बनाया गया। को जिम्मेदारी सौंपी गई है, काम करेंगे। अमरिया के दी कार्यक्रम में अखिल भारतीय इकाई की नवीन कार्यकारिणी चौधरी, जिला संयोजक गया। नगर अध्यक्ष नंदकिशोर, किया गया है। इसके अलावा को नगर सहमंत्री, मथुरा प्रसाद

इस गठन में नए पदाधिकारियों जो संगठन को आगे ले जाने का ग्रेट इंटर कॉलेज में आयोजित विद्यार्थी परिषद की अमरिया नगर का गठन जिला संगठन मंत्री प्रदीप आयुष मिश्रा की मौजूदगी में किया नगर मंत्री अंकित वर्मा को घोषित नए पदाधिकारियों में प्रमोद कुमार को नगर सहमंत्री, परमजीत सिंह को नगर आंदोलन प्रमुख, रितिक कुमार नगर खेल संयोजक, मोहित वर्मा नगर एसएफडी संयोजक, अरुण कुमार नगर एसएफएस संयोजक बनाए गए। नगर कला मंच संयोजक अनुराधा , सोशल मीडिया संयोजक दीपक कुमार, नगर कार्यकारिणी सदस्य नरेन्द्र शर्मा को बनाया गया। नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष नंदकिशोर ने कहा की एबीवीपी छात्रों का सबसे बड़ा संगठन है। संगठन छात्रों की समस्याओं के निस्तारण के साथ साथ समाज सेवा के कार्यों में भी आगे बढ़कर कार्य करता हैं, और छात्रों के विकास और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नगर मंत्री अंकित वर्मा ने कहा की एबीवीपी के कार्यकर्ता अनुशासित होकर कार्य करते हैं, हम सभी को आगे भी समन्वय बनाकर कार्य करना है। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री प्रदीप चौधरी, जिला संयोजक आयुष मिश्रा, मो0 ताहिर, काशिफ, अरुण, हुमायरा, काजल, दीपू , सौरभ आदि मौजूद रहे।

मल्हीपुर बाबागंज मार्ग चमरपुरवा चौराहे पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक की दर्दनाक मौत दो की हालत नाजुक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जनपद के मल्हीपुर थाना क्षेत्र स्थित चमरपुरवा चौराहे पर दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मुबारक खान, अफजल खान (27) और हसीब खान (27) भगवानपुर भैंसाही के रूप में हुई है। वहीं अफजल खान की घायलों की हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज बहराइच हैं कि दोनों बाइकें तेज़ रफ़्तार में थीं और चौराहे पर नियंत्रण खो दुर्घटना में घायल बाइक सवार भगवानपुर भैंसाही के रहने वाले

घायलों की पहचान हारून खान (26), पुत्र पुत्र अज्ञात निवासी भगवानपुर निवासी घटना पर ही मौत हो गई।जबकि अन्य दोनों रेफर किया गया है। स्थानीय लोग बता रहे बैठीं, जिससे सीधी भिड़ंत हो गई। सड़क बताए जा रहे है।

This special chutney will pull out all the uric acid accumulated in the body, know its recipe here

Due to increased uric acid, many health problems can start, in which joint pain and swelling is the most common problem. However, it can be controlled with the help of diet. A special chutney (Chutney for Uric Acid) can prove to be also tasty and it is also easy to make. Due to increased swelling and pain in the joints. A chutney can be acid in the body (High Uric Acid), problems like joint risk of kidney stones also increases. Although a small and the kidney filters it and also removes it from the its quantity starts increasing in the body and improving the diet. It also includes a special chutney be helpful in reducing uric acid. We are talking about the diet can help a lot in reducing uric acid. Let's inflammatory properties Natural anti-inflammatory which reduce inflammation and pain caused by uric out toxins from the body, which improves the uric acid. Alkaline effect Coriander and mint balance formation of uric acid crystals. Aids in digestion digestive system, which plays an important role in Ingredients: 1 cup fresh coriander leaves ½ cup mint

very helpful in reducing uric acid. This chutney is uric acid, health is harmed, due to which there is helpful in reducing uric acid. Due to increased uric pain, swelling and gout can occur. Due to this, the amount of uric acid is present in everyone's body body. But when the kidney stops filtering it properly, problems start. However, it can be controlled by (Chutney to Reduce Uric Acid), which can prove to coriander-mint chutney. Including this chutney in know how and what is the right way to make it. Anti-properties are found in both coriander and mint, acid. Detoxification This chutney helps in flushing functioning of the kidneys and reduces the level of the pH level of the body, which reduces the risk of Consumption of this chutney strengthens the controlling uric acid. Coriander-mint chutney recipe leaves 2-3 green chillies 1 teaspoon cumin seeds 1 inch ginger ½ lemon juice Rock salt to taste Method: First of all, wash and clean the coriander and mint leaves thoroughly. Now put all the ingredients (coriander, mint, green chillies, cumin seeds, ginger, lemon juice and salt) in a mixer jar. Add some water to it and make a fine paste. Take out the chutney in a bowl and serve fresh. How to eat this chutney? Eat 1-2 teaspoons of this chutney with food daily. You can also eat it with curd or chapati. Keep these things in mind If you are allergic to mint or coriander, do not eat it. Do not eat it in large quantities, because it has a cold effect.

If you are following a gluten-friendly diet, then definitely try this fiber-rich oats khichdi

If you want to adopt a healthy and gluten-free diet, then oats khichdi is the best option for you. It is rich in fiber, protein and essential nutrients, which improves your digestion and keeps the stomach full for a long time. This khichdi digestible. Oats are a part of many people's its delicious khichdi for breakfast. Nowadays lifestyle, especially for those who suffer from becomes important to find gluten-free, healthy friendly dish, which is light, easy to digest and energy to the body, but also help in improving waiting for, let's know about its benefits and a free and Digestive- Good quality oats are gluten sensitive people. Rich in fiber- The good source of soluble and insoluble fiber, which Adding moong dal and vegetables to it makes it increasing metabolism. Weight control- Being and keeps the stomach full for a long time. Heart reducing cholesterol, which reduces the risk of 1 cup oats ½ cup moong dal (washed and ½ capsicum (finely chopped) 1 small tomato

made with moong dal vegetables and spices is light and easily breakfast. It is also very beneficial for health. You can make people are increasingly inclined towards adopting a healthy gluten sensitivity or celiac disease. In such a situation, it and tasty food options. Oats khichdi is an excellent gluten-full of fiber. The nutrients present in it not only provide digestion and keeping the heart healthy. So what are you very easy recipe to make it-Benefits of Oats Khichdi Gluten-naturally gluten-free, making it a safe and light diet for combination of oats and vegetables makes this khichdi a improves digestion and relieves constipation. High-protein-rich in protein, which strengthens muscles and helps in high-fiber and low-calorie, oats khichdi aids in weight loss health- Beta-glucan present in oats khichdi helps in heart diseases. Easy recipe to make oats khichdi Ingredients soaked) 1 small onion (finely chopped) 1 carrot, ½ cup peas, (chopped) ½ teaspoon cumin, ½ teaspoon turmeric, ½ teaspoon coriander powder 1 teaspoon ghee Salt to taste 2-3 cups water Method of preparation First of all heat ghee in a pressure cooker, now add cumin seeds and fry lightly. After this add onion and fry till light golden, then add carrot, peas, capsicum and tomato and cook. Now add turmeric, coriander powder and salt, then mix moong dal and oats. Add 2-3 cups of water and cover the cooker and cook till 2-3 whistles. Now serve hot and add lemon or green coriander on top. If you are looking for a healthy and gluten-free diet, then oats khichdi is a great option. It is delicious, easily digestible and full of nutrition. Include it in your breakfast, lunch or dinner and adopt a healthy lifestyle.

New experiences are necessary for the overall development of children, teach them something new every day in these ways

The experiences gained in childhood play an important role in the development of children. Therefore, inspire them to learn new languages, cooking, gardening, participating in games, music and dance, travel, DIY projects, These not only increase their creativity reliant and responsible. It is important proper development. For this, children leads to their mental, physical and period when children learn new things, In such a situation, if they are motivated confident and curious. New experiences emotional development of children. inspire children to try different things. be helpful in the development of your new language Teaching children a new memory power and thinking ability. It Experience of cooking or baking-reliant and helps them understand the interesting and creative activity. closer to nature and learns the It also makes them realize the importance Participating in a sport- Be it cricket, child should remain physically active. discipline and leadership qualities. feelings of compassion and kindness in orphanages, old age homes or community dance- Music and dance enhance

public speaking and outdoor adventures. and confidence but also make them self-to teach children something for their should keep learning something new. This emotional development. Childhood is the hone their skills and understand the world. in the right direction, they can become help in the overall mental, physical and Therefore, as a good parent, we should Here are some new experiences that can child. Let's know about them- Learning a language from childhood improves their also increases their self-confidence. Cooking or baking makes children self-importance of nutrition. It is also an Gardening- Gardening brings children importance of patience and responsibility. of protecting the environment. football, table tennis or any other sport, the Sports help in developing teamwork, Volunteering- Social service develops children. Encourage them to participate in cleaning campaigns. Learning music or children's creativity and ability to express themselves. It also helps in reducing stress and developing self-discipline. Traveling and seeing new places- Give children a chance to travel to know about different cultures, history and geographical features. This increases their knowledge and understanding. Making DIY projects- Encourage children to make something at home, such as crafting, robotics or science projects. This strengthens their problem-solving ability. Public speaking- Participating in public speaking or drama increases children's confidence and they are able to put their point across clearly. Trying outdoor adventures- Activities like trekking, camping or cycling make children self-reliant and strengthen their decision-making ability.

There will be no shortage of entertainment on Friday, these movies-series will be released from OTT to theaters

Friday OTT-Theatres Releases Like every Friday of the week, this time too there is going to be a spring of latest releases. From theaters to OTT platforms, the most awaited thriller is to be released this Friday. Let's know which movies and will be released this Friday Entertainment will be theaters Friday is a very big day in terms of and web series are released from the big screen to waiting for a long time. Friday of 25th July is also regard. Let's know what new is going to come this and series from theaters to OTT. Sarzameen Kajol's latest film Sarzameen based on the issue this movie, Saif Ali Khan's son and actor Ibrahim Looking at the release of Sarzameen, it is to be Narsimha will be released as the most theatrical film production that made great films like KGF mythological movie for a long time. There is Mandala Murders Actress Vaani Kapoor's most included in this list. As a crime thriller, the trailer streamed online on the OTT platform Netflix on won the hearts of the audience through movies the web series Rangeen. Which will be released on the OTT platform Amazon Prime Video from tomorrow i.e. 25th July. The story of betrayal of husband and wife will be shown in this series. Trigger Korean drama Trigger starring K-drama superstar Kim Nom-gil and Kim Young-kwang is also going to be released on the OTT platform Netflix this Friday. If you are fond of watching Korean dramas, then you will like this thriller.

web series are coming this Friday. Latest thrillers high on OTT This big film will be released in entertainment world. Because on this day new films the OTT platform, which the cine lovers have been going to be very special and important in this Friday as the latest release in the form of movies South superstar Prithviraj Sukumaran and actress of patriotism is to be released online this Friday. In Ali Khan is going to be seen in the role of villain. streamed on the OTT platform Jio Hotstar. release this Friday by Hombale Films, the South and Kantara. Fans have been waiting for this tremendous hype on social media about this movie. awaited web series Mandala Murders is also of this series has impressed the fans a lot. It will be Friday. Rangeen Actor Vineet Kumar Singh, who like Chhava and Jat this year, will soon be seen in

Who is Saiyaara's 'Kiwi'? Alam Khan got Mohit Suri's film after 6 auditions

The film Saiyaara is being discussed everywhere at this time. This is also natural because within 6 days this romantic movie has shown a historic performance. Meanwhile, actor Alam Khan, who played the role of Ahaan Pandey's dear friend in Saiyaara, recently had a special conversation with Jagran. Alam played an important role in Saiyaara The actor got fame from this series Alam Khan is being praised everywhere The film Saiyaara is everyone's first choice at this time. Everyone is praising the story of the movie and the amazing acting of the star cast. Apart from actors Ahaan Pandey and Anit Padda, this romantic movie actor Alam Khan has also played an important role, which is of Chris Kapoor's friend Kiwi. Recently, Alam has openly discussed his selection in director Mohit Suri's Saiyaara in a special conversation with Jagran and told how he was selected for this movie. Let's know about it in a little more detail. Alam spoke about Saiyara Actor Alam Khan has played the role of KV, the best friend of actor Ahaan Pandey's character Krish in the film Saiyara. He says, 'I gave six auditions for this film. This is the only way to get work. You don't get work because of stardom. During the audition, I used to ask Mohit sir repeatedly if I was doing the right thing. So he said that I had told Shanu (casting director Shanu Sharma) that I want the best artist for this role.' Regarding the change after Saiyara, Alam says, 'Now messages are coming from big people of the industry.' However, Alam is a well-known name since the Kota Factory web series, but he did not get the benefit of that in getting this film. Alam has given a hundred percent of his strong acting in his character in Saiyara and everyone is praising him a lot for his acting. It is believed that after Saiyraa, Alam will be seen playing side roles in many more movies. 26-year-old Alam Khan, a big name on TV, has been active in the field of acting since childhood. He participated in Colors' Chak Dhoom Dhoom in 2010. Apart from this, he has also been the first runner up of the Chote Miyan reality show. Not only this, as a TV actor, he has also appeared in Hamari Devrani, Mahabharat, Santoshi Maa and Savdhaan India. Saiyraa rocking the box office- Alam Khan's Saiyraa is making a lot of noise at the box office commercially. Within 6 days of its release, this romantic thriller has created history by doing a business of more than 150 crores. Along with this, Saiyraa has done wonders by leaving behind many big hit films of this year like Sitare Zameen Par, Raid 2 and Housefull 5. It is believed that this film can do a business of up to 300 crores.

Actor came without brushing before intimate scene with Vidya Balan, actress said- 'Not your partner...'

Actress Vidya Balan is known for her brilliant acting as well as her outspoken style. Recently, Vidya Balan has recalled an incident of an intimate scene in a recent interview when she was irritated by an act of the actor. Know about this. Vidya Balan got angry during the intimate scene Vidya's co-star came to the set without washing his face Vidya Balan was advised to lose weight Filming a few seconds of intimate scenes off-screen between the actress and the actor on the big screen makes them sweat. Some start trembling during the shoot of intimate scenes, while some shoot by retaking them again and again. Recently, Vidya Balan has shared her experience. Vidya Balan has completed 20 years in the film world. The actor made her Bollywood debut in 2005 with Saif Ali Khan and Sanjay Dutt starrer film Parineeta. Recently, Vidya Balan has narrated the experience of an intimate scene filmed in the early stages of her career. The actor came on the set without washing his mouth Vidya Balan revealed that she had to shoot an intimate scene with an actor but he came on the set without brushing his teeth. In a conversation with The Hollywood Reporter, Vidya Balan said- There was an actor who had eaten Chinese. He did not brush and I had an intimate scene with him. I was saying in my mind, 'Don't you have a partner? I couldn't even offer him a mint. I was very new and scared too. Was advised to lose weight There are many stars in the film world who go through insecurity. However, Vidya is not one of them. She said- I think I am completely optimistic. I have a lot of confidence. I have put myself forward with my full potential and have not even blinked. People have told me that I should work on myself, I should lose weight but I believe that there is nothing wrong with me. I think this is a very good attitude because it has helped me move forward. Vidya Balan was last seen in Kartik Aaryan starrer horror comedy drama Bhool Bhulaiyaa 3